PTEC Monthly NEWS LETTER

Volume 3 March, 2026 Issue 3

## "समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए बहुआयामी प्रशिक्षण की आवश्यकता"

वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप निरंतर बदल रहा है। अब शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। इसी दृष्टिकोण से प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शैक्षणिक भ्रमण, कला-कौशल का प्रशिक्षण तथा रक्तदान के महत्व जैसे विषयों को शामिल किया जाना अत्यंत सराहनीय कदम है। ये सभी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारने, उन्हें व्यवहारिक ज्ञान देने और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी को समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा अनुभव होता है, जो उन्हें कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकलकर वास्तविक जीवन से जोड़ता है। जब विद्यार्थी ऐतिहासिक स्थलों, उद्योगों, विज्ञान केंद्रों या प्राकृतिक स्थानों का भ्रमण करते हैं, तो उन्हें पुस्तकों में पढ़ी गई बातों का प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है। इससे उनका ज्ञान अधिक स्पष्ट और स्थायी बनता है। साथ ही, वे नई-नई चीजों को देखने और समझने के लिए प्रेरित होते हैं, जिससे उनकी जिज्ञासा और सीखने की इच्छा बढ़ती है।

इसी प्रकार, कला-कौशल का प्रशिक्षण विद्यार्थियों की रचनात्मकता को उजागर करने का एक सशक्त माध्यम है। चाहे वह चित्रकला हो, हस्तशिल्प, संगीत, नृत्य या अन्य कोई कौशल—ये सभी विद्यार्थियों को अपनी अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करते हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास का विकास होता है और वे अपनी प्रतिभा को पहचानने लगते हैं। कला-कौशल न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह मानसिक तनाव को कम करने और जीवन में संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होता है। इसके माध्यम से विद्यार्थी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी कदम बढ़ाते हैं।

इसके अतिरिक्त, रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूकता विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों और सामाजिक संवेदनशीलता को विकसित करती है। रक्तदान एक ऐसा पुनीत कार्य है, जिससे किसी व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। जब विद्यार्थियों को इसके महत्व के बारे में जानकारी दी जाती है, तो उनमें दूसरों की सहायता करने की भावना विकसित होती है। यह उन्हें एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। साथ ही, इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है कि युवाओं में सेवा और सहयोग की भावना जीवित है।

इन सभी गतिविधियों का सम्मिलित प्रभाव विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को समग्र रूप से विकसित करता है। शैक्षणिक भ्रमण उन्हें व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है, कला-कौशल उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ाता है, और रक्तदान जागरूकता उन्हें सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनाती है। इस प्रकार, ये सभी पहलू एक-दूसरे के पूरक हैं और मिलकर विद्यार्थियों को एक सक्षम, संवेदनशील और जागरूक नागरिक के रूप में तैयार करते हैं।

अतः यह आवश्यक है कि शिक्षा प्रणाली में ऐसे बहुआयामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अधिक महत्व दिया जाए। इससे न केवल विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास होगा, बल्कि उनका मानसिक, सामाजिक और नैतिक विकास भी सुनिश्चित होगा। अंततः यही समग्र शिक्षा उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में सफल और समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनने में सहायता प्रदान करेगी।

संपादकीय

## कॉलेज डे का अनुभव

मैं, सूरज टोप्पो, अपने महाविद्यालय में मनाए गए कॉलेज डे का अपना अनुभव साझा करना चाहता हूँ। हमारे महाविद्यालय में प्रत्येक वर्ष 19 मार्च को कॉलेज डे मनाया जाता है। यह दिन संत जोसेफ के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है, जिन्हें हमारे महाविद्यालय का संरक्षक संत माना जाता है।

इस वर्ष 19/03/2026 को यह कार्यक्रम बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा (Mass) से हुई, जिसमें हम सभी ने श्रद्धा और भक्ति के साथ भाग लिया। इस अवसर पर संत जोसेफ के जीवन के बारे में भी बताया गया, जिससे हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा मिली।

मिस्सा के बाद हम सभी अपने-अपने कार्यों में लग गए। महाविद्यालय की ओर से भोजन की भी अच्छी व्यवस्था की गई थी, जिसका सभी ने आनंद लिया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें हमने विभिन्न प्रस्तुतियों का आनंद उठाया। सभी विद्यार्थियों ने मिलकर अनुशासन और उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

इस प्रकार, हमारा कॉलेज डे बहुत ही सफलतापूर्वक और आनंदमय तरीके से संपन्न हुआ। यह दिन मेरे लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

सूरज टोप्पो
प्रथम वर्ष 'ब'

## कॉलेज डे का अनुभव

हमारे महाविद्यालय में 19/03/2026 को संत जोसेफ के पर्व के उपलक्ष्य में कॉलेज डे बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह हमारे लिए कॉलेज डे का पहला अनुभव था, जो सचमुच यादगार बन गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना नृत्य के साथ हुई, जिसके माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके बाद सुंदर गीतों और वेलकम सॉन्ग ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विभिन्न प्रशिक्षुओं द्वारा अलग-अलग राज्यों के नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्हें देखकर दर्शक बहुत आनंदित हुए।

एक छोटे से नाटक ने कार्यक्रम की खुशी को और भी बढ़ा दिया। सभी प्रस्तुतियाँ बहुत ही आकर्षक और सराहनीय थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद हम सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और हँसी-खुशी नाचते-गाते इस दिन को और भी खास बना दिया।

संत जोसेफ का यह पर्व हमें आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों की सीख देता है, जबकि कॉलेज डे हमें अपनी प्रतिभा दिखाने और नए अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रकार, यह दिन हमारे कॉलेज जीवन को यादगार बना गया।

सरिता कुमारी
प्रथम वर्ष 'ब'

## कॉलेज डे का अनुभव

हमारे महाविद्यालय में गुरुवार, 19/03/2026 को संत जोसेफ के पर्व के उपलक्ष्य में कॉलेज डे बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की तैयारी हम सभी विद्यार्थी कई दिनों से कर रहे थे। महाविद्यालय को रंग-बिरंगे कागजों और गुब्बारों से बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8:30 बजे पवित्र मिस्सा (Mass) से हुई, जो अत्यंत भक्तिमय और प्रेरणादायक था। इसमें संत जोसेफ के जीवन और उनके आदर्शों के बारे में बताया गया। प्रवेश, चढ़ावा और विसर्जन नृत्य भी बहुत आकर्षक और मनमोहक रहे। मधुर गीतों को वाद्य यंत्रों की सहायता से बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया।

मिस्सा के बाद विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जो लगभग 12:30 बजे तक चले। इसमें नृत्य और नाटक की प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिन्हें देखकर मैं बहुत प्रसन्न हुई। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद हम सभी ने हॉस्टल में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

इसके बाद कॉलेज गेट के सामने नृत्य करने का भी अवसर मिला, जिसमें हम सभी ने खूब मस्ती की और आनंद उठाया।

इस प्रकार, कॉलेज डे हमारे लिए एक यादगार और आनंदमय अनुभव रहा।

स्नेहा हेम्ब्रोम
प्रथम वर्ष 'ब'

## कॉलेज डे का अनुभव

हमारे महाविद्यालय में कॉलेज डे कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा से हुई, जो अत्यंत भक्तिमय और मनमोहक था। मिस्सा में प्रवेश, चढ़ावा नृत्य और विसर्जन नृत्य ने वातावरण को और भी आध्यात्मिक बना दिया।

मिस्सा के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें वंदना नृत्य सहित कई सुंदर प्रस्तुतियाँ देखने को मिलीं। विभिन्न पारंपरिक वेशभूषाओं में सजे विद्यार्थियों को देखकर पूरा वातावरण रंगीन और उत्सवपूर्ण लग रहा था। चारों ओर लोगों के चेहरों पर मुस्कान थी, जो इस अवसर की खुशी को दर्शा रही थी।

कार्यक्रम के दौरान स्वादिष्ट व्यंजनों की भी व्यवस्था की गई थी, जिसका हम सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। भोजन बहुत ही स्वादिष्ट था और सभी ने इसका आनंद लिया।

इसके बाद सामूहिक नृत्य का समय आया, जिसमें हम सभी ने हाथ से हाथ और कदम से कदम मिलाकर नगपुरी गीतों पर खूब नृत्य किया। नाचते समय सभी बहुत उत्साहित थे। पैरों में हल्का दर्द होने के बावजूद भी नाचने का उत्साह कम नहीं हुआ और हम सबने पूरे जोश के साथ हँसते-मुस्कुराते इस पल का आनंद लिया।

इस प्रकार, कॉलेज डे का यह कार्यक्रम हमारे लिए एक यादगार और आनंदमय अनुभव बन गया।

*सबीना ओरेया*
*प्रथम वर्ष 'ब'*

## कॉलेज डे

मुझे कॉलेज डे का बहुत पहले से इंतजार था, क्योंकि सीनियर दीदियों ने बताया था कि यह दिन बहुत धूम-धाम से मनाया जाता है। कॉलेज डे के लिए सभी प्रशिक्षुओं को उनकी कक्षाओं के अनुसार अलग-अलग कार्यक्रम सौंपे गए थे। सभी प्रशिक्षार्थी पूरे उत्साह के साथ इसकी तैयारी में लगे हुए थे। आखिरकार लंबे इंतजार के बाद वह दिन आ ही गया।

हमारे महाविद्यालय में कॉलेज डे 19 मार्च को मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा से हुई। मिस्सा के समापन के बाद लगभग 10:30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आरंभ हुआ। सभी प्रशिक्षुओं ने अपने-अपने कार्यक्रम बहुत ही सुंदर और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

मुझे पूरा कार्यक्रम बहुत अच्छा लगा, लेकिन सबसे ज्यादा खुशी इस बात की थी कि मैंने भी एक कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद हमने शिक्षकों के साथ समूह फोटो खिंचवाया, जो मेरे लिए एक बहुत ही यादगार पल था।

इसके बाद हम सभी शिक्षकगण एवं प्रशिक्षार्थियों के साथ भोजन करने के लिए बॉयज हॉस्टल गए। वहाँ का भोजन बहुत ही स्वादिष्ट था। अंत में हम सभी ने मिलकर नृत्य किया और खूब आनंद लिया।

इस प्रकार कॉलेज डे का यह कार्यक्रम मेरे लिए बहुत ही यादगार और खुशी भरा अनुभव रहा।

रंजीता बेक
प्रथम वर्ष 'बी'

## कॉलेज-डे

दिनांक 19/03/2027 को हमारे महाविद्यालय में *संत जोसेफ दिवस* बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। विभिन्न राज्यों जैसे असम, कश्मीर, छत्तीसगढ़ और गोवा की झलक प्रस्तुत करते हुए सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए गए, जो अत्यंत मनमोहक और आकर्षक थे। इसके अतिरिक्त एक रोमांचक नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें एक विधायक द्वारा अपने स्वार्थ के लिए जानवरों के अवैध शिकार और शक्ति के दुरुपयोग को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया।

कार्यक्रम के समापन के बाद सभी छात्र अपने-अपने हॉस्टल लौट गए। हॉस्टल में हमारे लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई थी। वहाँ शिक्षकों और अतिथियों के साथ हमने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया, जिसमें बंदगोभी की सब्जी, फल सलाद, पापड़, पनीर, चिकन, दही आदि शामिल थे। सभी ने मिलकर बड़े आनंद के साथ भोजन किया।

भोजन के बाद हम सभी ने महाविद्यालय परिसर में एक साथ नृत्य कर उत्सव का आनंद लिया। इस प्रकार हँसी-खुशी और मनोरंजन के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ और अंत में सभी ने एक-दूसरे को विदा कहा।

रितिक कौशल कुजूर
प्रथम वर्ष 'ब'

## कॉलेज दिवस

हमारे महाविद्यालय में *कॉलेज दिवस* 19 मार्च (बृहस्पतिवार) को बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दिन का हमें लंबे समय से इंतजार था। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा से हुई। मुझे मिस्सा में प्रवेश गान के दौरान नृत्य में भाग लेने का अवसर मिला, जो मेरे लिए बहुत ही खुशी और गर्व की बात थी।

मिस्सा समाप्त होने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आरंभ हुआ। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों की संस्कृति और परंपराओं को दर्शाते हुए कई सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए गए। उड़ीसा, कश्मीर आदि राज्यों के नृत्य विशेष रूप से आकर्षक और मनमोहक थे। सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने कार्यक्रम बहुत ही उत्साह और सुंदरता के साथ प्रस्तुत किए। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पूरा महाविद्यालय विभिन्न रंगों और संस्कृतियों से सजा हुआ हो।

कार्यक्रम के दौरान कई सुंदर गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्हें देखने के लिए बहुत सारे लोग उपस्थित थे। अंत में फादर द्वारा दिए गए प्रेरणादायक वचनों ने कार्यक्रम को और भी सार्थक बना दिया।

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद हम सभी बॉयज हॉस्टल गए, जहाँ हमारे लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई थी। भोजन के बाद हमें नृत्य करने का भी अवसर मिला, जिसमें सभी ने मिलकर खूब आनंद लिया।

इस प्रकार यह कॉलेज दिवस का कार्यक्रम बहुत ही यादगार और आनंदमय रहा।

श्वेता कुमारी
प्रथम वर्ष 'अ'

## कॉलेज डे

कॉलेज डे हमारे लिए अत्यंत विशेष और खुशी से भरा दिन था। यह कार्यक्रम 19 मार्च, गुरुवार को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। पूरे महाविद्यालय का वातावरण खुशी और उत्साह से भरा हुआ था। ऐसा लग रहा था मानो हर कोई इस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहा था।

सुबह से ही हॉस्टल में चहल-पहल शुरू हो गई थी। सभी छात्राएँ एक-दूसरे को तैयार होने में मदद कर रही थीं। अपने बालों और चेहरे को सुंदर बनाने के लिए सभी बहुत उत्साहित थीं। हर किसी के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8:30 बजे पवित्र मिस्सा पूजा से हुई, जिसका संचालन फादर सुशील द्वारा किया गया। मिस्सा के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृति को दर्शाते हुए सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए गए। सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दर्शकों ने भी सभी प्रस्तुतियों की खूब सराहना की।

कार्यक्रम के बाद हम सभी भोजन के लिए बॉयज हॉस्टल गए, जहाँ स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई थी। भोजन के बाद हम सभी ने मिलकर समूह में नृत्य किया और खूब मस्ती की।

इस प्रकार कॉलेज डे का यह दिन हमारे लिए अत्यंत आनंदमय और यादगार बन गया।

सरोज एक्का
प्रथम वर्ष 'अ'

## कॉलेज डे

दिनांक 12/03/2026 को हमारे महाविद्यालय में कॉलेज डे बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह मेरे लिए एक बहुत ही अच्छा और यादगार अनुभव रहा। इस कार्यक्रम की खास बात यह थी कि सभी शिक्षार्थियों को इसमें भाग लेने का अवसर दिया गया था। इससे जो छात्र पहले भाग लेने में संकोच करते थे, उन्हें भी सीखने और अपनी रुचि बढ़ाने का मौका मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा बलिदान से हुई। मुझे प्रवेश नृत्य में भाग लेने का अवसर मिला। यह मेरे लिए पहली बार था, इसलिए मैं बहुत उत्साहित थी। हालांकि हमें अभ्यास के लिए कम समय मिला था, फिर भी हमने कम समय में अच्छी तैयारी कर ली और अपना प्रदर्शन सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया।

सभी कार्यक्रमों के समाप्त होने के बाद हम लोग भोजन के लिए गए। वहाँ बहुत ही स्वादिष्ट और अच्छा भोजन बना था। भोजन के बाद हम सभी ने सामूहिक रूप से नृत्य किया और खूब आनंद लिया।

इस प्रकार कॉलेज डे का यह कार्यक्रम मेरे लिए अत्यंत आनंदमय और यादगार रहा।

संजो मरांडी
प्रथम वर्ष 'अ'

# महाविद्यालय दिवस का अनुभव

सप्ताह दिनों की तैयारियों के साथ
किया हमने महाविद्यालय दिवस,
अर्थात् संत जोसेफ के
पवित्र दिवस की तैयारी।

की गई तैयारियों साफ से
लेकर सजावट; गीत से लेकर संगीत,
धुन से लेकर लय.
एवं मेहमानों का स्वागत से लेकर
भोजन ग्रहण तक।

यह उत्सव नहीं महोत्सव है
हमारे महाविद्यालय का,
उन प्रशिक्षुओं का, शिक्षकों का
एंव यहाँ से ज्ञान अर्जित कर वालों का।

हर शुभ कार्य की शुरुआत
होती है मिस्सा द्वारा,
पवित्र ईश्वर को धन्यवाद द्वारा।
किया गया संत जोसेफ की
वचनों एंव उनकी आदर्शों पर जोर।

वंदना नृत्य के द्वारा आगे का कार्यक्रम
किया गया शुभारंभ,
तत्पश्चात् मेहमानों के स्वागत.
में गीत का प्रारंभ।

प्रशिक्षुओं के नृत्य में दिखा
भारत के संस्कृति की झलक,
उनकी प्रतिमा, ने साबित कर ही
दिया महाविद्यालय की शान।

बिहु, दक्षिण एव मध्य भारत के
संस्कृति, गोवा के उन मनोरम
नृत्य ने किया मन को हर्षित
पहनाता से लेकर श्रृंगार ने
बढ़ाया कार्यक्रम की शोमा

नाटक ने किया हमें जंगली
जानवरों के महत्व से रूबरू,
आये मेहमानों के द्वारा किया गया,
महाविद्यालय परिवार के सदस्यों का स्वागत।

मेहमानों की विनम्रता पूर्ण
संगीत के धुन ने किया,
हमारे मन को आनन्द से पूर्ण
छा गई चारों और प्यार का माहौल।

कार्यक्रम समाप्त होने पर किया हमने
मेहमानों को भोजन ग्रहण
भोजन के द्वारा मिली उदर का भरण,
इस प्रकार हमने किया हमने किया
महाविद्यालय दिवस के महोत्सव का आनन्द।

प्रतिभा टुडू
प्रथम वर्ष 'अ'

## कॉलेज डे

हमारे महाविद्यालय में 19/03/2026 को *संत जोसेफ* के पावन अवसर पर कॉलेज डे बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस दिन का हम सभी को बेसब्री से इंतजार था। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र यूखारिस्ट (मिस्सा) से हुई, जिसके माध्यम से हमने ईश्वर को धन्यवाद अर्पित किया।

मिस्सा के पश्चात भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रशिक्षुओं ने अपनी कला और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सभी प्रशिक्षु भाई-बहनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने-अपने हुनर को मंच पर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सभी की सहभागिता और अनुशासन सराहनीय था।

मुझे भी प्रवेश नृत्य में भाग लेने का अवसर मिला, जिससे मुझे अत्यंत खुशी और आत्मसंतोष प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह अनुभव हुआ कि ईश्वर ने हम सभी को विभिन्न प्रकार की प्रतिभाओं और गुणों से विभूषित किया है। ऐसे विशेष अवसर हमें अपनी कलाओं को निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने का मौका देते हैं।

कार्यक्रम के अंत तक सभी ने पूरे आनंद और उत्साह के साथ इसका भरपूर लाभ उठाया। यह दिन मेरे लिए अत्यंत यादगार और आनंदमय बनकर रहेगा।

समीरा तिर्की
प्रथम वर्ष 'अ'

## कॉलेज दिवस का अनुभव

मेरा कॉलेज दिवस का अनुभव अत्यंत आनंदमय और यादगार रहा। दिनांक 19/03/2026, दिन गुरुवार को हमारे महाविद्यालय में संत जोसेफ की स्मृति में कॉलेज दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा से हुई, जिसमें संत जोसेफ के जीवन के बारे में विस्तार से बताया गया। यह मिस्सा अत्यंत भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। हमने मिस्सा में सुंदर भजन गाए, जिससे वातावरण और भी पवित्र एवं आनंदमय बन गया। हमारे गीतों से प्रसन्न होकर फादर विनोद ने भी गाना प्रस्तुत किया और सभी की प्रशंसा की। प्रवेश, चढ़ावा और विसर्जन नृत्य भी बहुत ही सुंदर और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए गए।

मिस्सा के बाद नाश्ते के रूप में बिस्कुट वितरित किया गया। इसके पश्चात विभिन्न प्रकार के नृत्य और नाटक प्रस्तुत किए गए, जिन्हें देखकर सभी का मन प्रसन्न हो गया। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने अपने-अपने कार्यक्रम बहुत ही अच्छे तरीके से प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के समापन के बाद हॉस्टल में भोजन की व्यवस्था की गई थी, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन शामिल थे। भोजन के बाद कॉलेज गेट के सामने सभी को नृत्य करने का अवसर मिला, जिसमें हम सभी ने मिलकर खूब आनंद लिया और मस्ती की।

इस प्रकार कॉलेज दिवस का यह आयोजन मेरे लिए अत्यंत सुखद और अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

प्रताप पुर्ती
प्रथम वर्ष 'अ'

## Experience of College Day

College Day is one of the most colorful and exciting events in our institution. On this special day, various programs such as dance, singing, drama, fashion shows, and sports are organized, giving students a wonderful opportunity to showcase their talents.

St. Joseph's Day teaches us spirituality and moral values, while College Day allows us to express our abilities and enjoy ourselves. Together, these celebrations make our college life truly memorable.

The celebration of St. Joseph's Day usually begins with a prayer assembly, where all students and teachers gather together in devotion. After the prayer, cultural programs such as hymns, dances, and dramas are presented. The entire hall is beautifully decorated, creating a positive and peaceful atmosphere everywhere.

On this day, we also receive important messages about discipline, sincere love, and dedication. It inspires us to grow not only academically but also morally and spiritually.

Overall, College Day is a joyful and meaningful experience that leaves a lasting impression on everyone.

Simon Samad
First year 'B'

## College Day

It was a golden opportunity to celebrate College Day on the occasion of St. Joseph's Feast. St. Joseph is the eternal patron of our college and a guiding example for all of us. This day was very special and awaited by everyone with great excitement. St. Joseph was known for his calmness, kindness, and his silent obedience to God's commands. He serves as an inspiring example for all students.

The most important and precious part of the celebration was the Holy Mass. Through this, we strengthened our mind, body, and soul, and reflected on our values. As Pope Benedict XVI says, "Let us allow ourselves to be infected by the silence of Saint Joseph, which is much needed in a world that is often too noisy. It encourages reflection and listening to God's voice."

On this special day, we learned the importance of calmness, obedience, and dedication from Saint Joseph's life. College Day not only gave us a chance to celebrate but also reminded us of spiritual values and moral discipline.

Saroj Topno
First Year 'B'

## College Day

Born day of Jesus's father
Feast of Saint Joseph's Day of celebration
College day full of joy

Holy mass for spiritual growth
Entrance, offertory and recentional to glorified God
Day to focus on Joseph role

Energetic performance of Goa, Tamil and Kashmiri
Prayer, Bihu, Odissi and Chhattisgarhi with cute smiles
Skit took us to real forest

Day began with his name
Tasty lunch to enjoy every single bite
Without chain dance feast is incomplete

Priti Ekka
First year 'A'

## कॉलेज दिवस

हमारे कॉलेज में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी संत जोसेफ का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा पूजा से हुई, जिसमें गाए गए भजन बहुत ही मधुर थे और पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

मिस्सा के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न संस्कृतियों की झलक प्रस्तुत करते हुए पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य और अन्य प्रस्तुतियाँ दीं। सभी के चेहरे पर उत्साह और खुशी साफ दिखाई दे रही थी।

मंच की सजावट बहुत ही आकर्षक और मनमोहक थी, जिससे कार्यक्रम और भी सुंदर बन गया। सभी प्रस्तुतियाँ शानदार रहीं और दर्शकों का मन मोह लिया।

यह मेरा अंतिम कॉलेज कार्यक्रम था, इसलिए यह मेरे लिए विशेष और हमेशा याद रहने वाला अनुभव बन गया।

प्रियंका हंसदा
द्वितीय वर्ष

## College Day

College Day is a special and eagerly awaited event every year. We all look forward to this day with great excitement, as it is filled with fun, celebration, and memorable experiences. Our college celebrates this day every year on 19th March with full enthusiasm.

The day began with a prayer in remembrance of God, creating a calm and positive atmosphere. After the prayer, we were served snacks, which everyone enjoyed. Following this, the cultural programs started. Students presented various performances such as dances, dramas, and songs, reflecting different themes and showcasing the talent of every participant. Everyone gave their best on stage, making the performances lively and entertaining.

After the celebrations, lunch was arranged at the Boys' Hostel, where all of us enjoyed a delicious meal together. The day concluded with group dances and fun activities, where everyone participated with energy and joy.

Overall, College Day was a joyful, energetic, and memorable experience for all of us. It was a day full of laughter, fun, and togetherness that we will always remember.

Rishika Mishra
First Year 'B'

## Experience of College Day

Our college Day celebration began with a Holy Mass, which was very prayerful and inspiring. I especially enjoyed singing during the Mass. College Day is celebrated once a year in our college, and it is a special occasion when all students, teachers, and sometimes neighbours come together to participate.

Soon after the Mass, the cultural program began. Students performed various dances and other activities while wearing colorful costumes. Our teachers and neighbours came to watch, making the atmosphere lively and joyful. It was a very colorful and exciting day filled with energy and enthusiasm.

All trainees participated in different programs with great dedication and creativity. Through this event, we were able to showcase our talents, learn new skills, and work together in harmony. I experienced a strong sense of unity and community spirit while participating in this program.

Overall, College Day was a memorable and enjoyable event that brought happiness and learning to everyone.

Susana Cherowa
First Year 'B'

**Feast of St. Joseph**

The Feast of St. Joseph, celebrated on 19th March, is an important solemnity in the Catholic Church. It honors St. Joseph as the husband of Mary, the foster father of Jesus, and the patron of the Universal Church.

This year, on 19th March 2026, our college celebrated the Feast of St. Joseph as our College Day with great pomp and joy. All the students and staff of Primary Teachers' Training College, Sitagarh, Hazaribagh actively participated in the celebration.

The program began with the Holy Mass, which was very prayerful and spiritually enriching. The choir sang beautiful hymns that made the atmosphere devotional. After the Mass, various cultural programs were presented. The students gave wonderful performances, including dances and songs, which reflected unity and cultural richness.

The entire program was well-organized and conducted in a systematic manner. Everything was completed on time. Through this celebration, we were inspired by the life and good qualities of St. Joseph.

After the program, lunch was arranged at the boys' hostel. The food was very tasty, and the mess group took good care of everyone.

Overall, the celebration was grand, joyful, and memorable for all of us.

Prerna Kujur
Second year 'B'

**कॉलेज का दिन**

कॉलेज केवल पढ़ाई का स्थान नहीं होता, बल्कि यह वह जगह है जहाँ सपने सजते हैं, उन्हें उड़ान मिलती है और जीवन को एक नई पहचान मिलती है।

हमारे कॉलेज का यह अंतिम कार्यक्रम था, इसलिए यह दिन हमारे लिए बहुत खास था। इसकी तैयारी करते समय मुझे बहुत खुशी हो रही थी, लेकिन साथ ही यह सोचकर मन भावुक भी हो रहा था कि अब हम सब अलग हो जाएंगे। दिल में अपने साथियों और कॉलेज की यादें बसती जा रही थीं।

कार्यक्रम बहुत ही शानदार रहा। हम सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया, विशेष रूप से नृत्य कार्यक्रम में हमने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे माहौल में खुशी और उमंग का वातावरण था।

कार्यक्रम का समापन प्राचार्य महोदय के प्रेरणादायक शब्दों के साथ हुआ। यह दिन मेरे लिए हमेशा एक सुंदर और यादगार स्मृति बनकर रहेगा।

शिखा कुमारी
द्वितीय वर्ष 'ब'

**कॉलेज डे**

19 मार्च को हमारे महाविद्यालय में कॉलेज डे बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दिन संत जोसेफ के पर्व के अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा-पूजा से हुई। मिस्सा बहुत ही भक्तिमय था और मुझे इसमें भाग लेकर बहुत अच्छा लगा।

मिस्सा के बाद हमें थोड़े समय का विश्राम मिला, जिसके पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में मैंने भी बिहू नृत्य में भाग लिया, जिसमें भाग लेकर मुझे अत्यंत खुशी हुई। विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृतियों के अनुसार प्रस्तुत किए गए नृत्य और कार्यक्रम बहुत ही सुंदर और आकर्षक थे। सभी ने अपनी-अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से शानदार प्रदर्शन किया।

संत जोसेफ के जीवन से हमें सादगी, परिश्रम और धैर्य जैसे गुणों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है। हमें उनके जीवन से सीख लेकर अपने जीवन में लागू करना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में हम सभी दोपहर के भोजन के लिए पुरुष छात्रावास गए, जहाँ स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई थी। भोजन के बाद हमने सामूहिक नृत्य किया और फिर अपने-अपने छात्रावास की ओर लौट गए।

यह दिन मेरे लिए बहुत ही यादगार और आनंददायक रहा।

साक्षी लकड़ा
द्वितीय वर्ष 'अ'

## कॉलेज दिवस

हमारे पी.टी.ई.सी. महाविद्यालय के संरक्षक संत जोसेफ का पर्व 19 मार्च को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस दिन का मैं कई दिनों से इंतजार कर रही थी, इसलिए मैं बहुत उत्साहित और खुश थी।

कार्यक्रम की शुरुआत फा. सुशील सोरंग के द्वारा पवित्र मिस्सा-बलिदान से हुई। उन्होंने संत जोसेफ के जीवन के बारे में विस्तार से बताया और उनके आदर्शों से हमें प्रेरित किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को उनके गुणों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुझे भी बिहू नृत्य करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ, जिससे मुझे बहुत खुशी हुई। विभिन्न संस्कृतियों के नृत्य जैसे भरतनाट्यम, बिहू, गोवा, नागपुरी और संबलपुरी नृत्य प्रस्तुत किए गए। इसके साथ ही स्किट भी प्रस्तुत की गई, जिनमें सामाजिक और राजनीतिक विषयों की झलक दिखाई गई। सभी प्रस्तुतियाँ बहुत ही मनोरंजक और शिक्षाप्रद थीं।

कार्यक्रम के बाद हम सभी भोजन के लिए संत जोसेफ बॉयज हॉस्टल गए। वहाँ सभी प्रशिक्षणार्थियों और व्याख्याताओं ने मिलकर हँसी-खुशी भोजन का आनंद लिया। भोजन के बाद जैसे ही संगीत बजा, सभी उत्साह से नृत्य करने लगे। पूरा परिसर गीत-संगीत से गूंज उठा और सभी ने मिलकर खूब आनंद उठाया।

इस कार्यक्रम से मुझे यह शिक्षा मिली कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमें दूसरों की सहायता करना, दया, प्रेम, क्षमा, सहनशीलता और धैर्य जैसे गुण भी सीखने चाहिए। ये गुण हमें एक अच्छा शिक्षक बनने में सहायक होते हैं।

रीना तिग्गा
द्वितीय वर्ष 'अ'

## कॉलेज डे का अनुभव

संत जोसेफ के पर्व के अवसर पर हमारे महाविद्यालय में **कॉलेज-डे** मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस साल भी इसे बड़े धूमधाम से मनाया गया।

दिन की शुरुआत **मिस्सा** से हुई। इसमें फादर ने बताया कि संत जोसेफ का जिक्र भले ही बाइबिल में कम मिलता है, लेकिन उनका चरित्र अत्यंत प्रेरणादायक है। उनका शांत और संयमित व्यवहार मुझे बहुत अच्छा लगता है। फादर ने समझाया कि यदि हम भी संत जोसेफ की तरह शांत मन से किसी विषय पर गहन चिंतन करें, तो निश्चित रूप से सही निर्णय ले सकते हैं।

मिस्सा के बाद **रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम** आयोजित किया गया। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों को नृत्य और प्रस्तुति के माध्यम से मंच पर प्रदर्शित किया गया। इस वर्ष मैं नृत्य में भाग नहीं ले पाई, लेकिन मैंने अपने सहपाठियों के साथ **मंच संचालन** किया। इससे मुझे आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर मिला।

कार्यक्रम के बाद हम हॉस्टल गए, जहाँ दोपहर का भोजन किया, जो बहुत ही स्वादिष्ट था। भोजन के बाद सभी ने सामूहिक नृत्य किया और खूब आनंद लिया।

यह दिन मेरे लिए अत्यंत आनंददायक और यादगार रहा।

प्रिस्मा टोप्पो
द्वितीय वर्ष 'अ'

## कॉलेज दिवस

हमारा कॉलेज दिवस प्रतिवर्ष 19 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन संत जोसेफ की याद में बहुत ही यादगार तरीके से मनाया जाता है। संत जोसेफ साहसी और मेहनती व्यक्तित्व के धनी थे, जो अपने कार्य को पूरी निष्ठा और लगन से करते थे। उनके इन गुणों से मैं अत्यंत प्रभावित हूँ।

कॉलेज डे की शुरुआत पवित्र **मिस्सा-बलिदान** से हुई, जिसमें हमने ईश्वर की स्तुति और महिमा का स्मरण किया। इसके बाद **सांस्कृतिक कार्यक्रम** आरंभ हुआ। प्रत्येक समूह की प्रस्तुति शानदार और मनमोहक थी। सभी के चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दे रहा था।

कार्यक्रम के समाप्त होने के बाद हम सभी हॉस्टल की ओर गए। वहाँ हमारे लिए स्वादिष्ट भोजन का आयोजन किया गया था, जिसे लेकर हम सभी ने भरपूर आनंद लिया। भोजन के पश्चात हमने सामूहिक नृत्य किया, जिसमें भाग लेकर हमें बहुत मज़ा आया।

यह दिन मेरे लिए अत्यंत आनंददायक और यादगार रहा।

प्रीति केरकेट्टा
द्वितीय वर्ष 'ब'

## शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

मुझे अपने शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव साझा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हमारे महाविद्यालय, पीटीईसी परिवार की ओर से हमलोग छह दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर गए थे, जिसमें दो दिन घूमने और चार दिन यात्रा में बिताए गए।

भ्रमण के लिए हम सिक्किम की राजधानी **गैंगटोक** गए। यह पूर्वी हिमालय में स्थित एक शांत और बेहद सुन्दर शहर है, जो **कंचनजंगा पर्वत**, बादलों से ढँकी वादियाँ, जीवंत संस्कृति और मठों के लिए प्रसिद्ध है।

यात्रा की शुरुआत ही बहुत रोमांचक थी। दोस्तों के साथ हँसी-खुशी, मस्ती और उत्साह में समय बिताते हुए ट्रेन यात्रा का अनुभव अद्भुत रहा। इस सफर में मुझे यह समझ आया कि यात्रा केवल मंजिल तक पहुँचने के लिए नहीं होती, बल्कि रास्तों में सीखने और अनुभव करने का मजा असली होता है।

**पहले दिन** हम लोकल साइटसीइंग पर गए। हमने सात प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया, जैसे गणेश टोक, बख्तांग वॉटरफॉल, इंचे मॉनेस्ट्री, नमनम व्यूपॉइंट, फ्लावर एग्ज़िबिशन और रोपवे। बारिश की बूंदों और ठंडी हवा में भी हमारा उत्साह कम नहीं हुआ। ऊँचाई से घाटियों और शहर को देखना ऐसा लगा जैसे मैं स्वर्ग में हूँ।

शाम को हम **एमजी मार्केट** गए, एमजी रोड एक नो-व्हीकल ज़ोन वाला बाजार है। वहाँ घूमना, खरीदारी करना और स्थानीय व्यंजन जैसे मोमोज़, थुक्पा और सिक्किमी चाय का आनंद लेना बहुत यादगार अनुभव रहा।

**दूसरे दिन** हम नाथुला बॉर्डर बर्फ देखने के लिए निकले, लेकिन प्रशासनिक कारणों से नाथुला नहीं जा सके। फिर भी हम चांगू लेक पहुँचे। ठंडी हवा, हसीन वादियाँ और ऊँचाई से नज़ारा देखकर ऐसा लगा कि सुकून चाहिए तो शहर नहीं, पहाड़ों की ओर जाना चाहिए। वहाँ बर्फ में खेलना और दोस्तों के साथ मस्ती करना अत्यंत आनंददायक अनुभव था।

यात्रा का हर क्षण यादगार और शिक्षाप्रद रहा। यह अनुभव न केवल प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने का अवसर था, बल्कि मित्रता, अनुशासन और धैर्य सिखने का भी एक अनोखा अनुभव रहा। समय निश्चित था, इसलिए हमें वापसी करनी पड़ी, लेकिन हम नई यादों और अनुभवों के साथ लौटे।

क्रूसिता तिर्की
द्वितीय वर्ष 'अ'

## शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

पहाड़ियों की वादियों में घूमने का अनुभव कुछ ऐसा है जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। हर मोड़, हर नजारा और हर हवा कुछ नया सिखाती है। मेरा यह शैक्षणिक भ्रमण **11/03/2026** को शुरू हुआ, जिसका मुझे एक साल से बेसब्री से इंतजार था। यह मेरे लिए पहली बार शैक्षणिक भ्रमण था, इसलिए मैं बेहद उत्साहित थी और महीनों पहले से तैयारी कर रही थी।

हॉस्टल से निकलते ही मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। अपने दोस्तों के साथ बस में बैठकर हम नाच-गान करते हुए रेलवे स्टेशन पहुँचे। ट्रेन में सफर के दौरान हम खेलते, गाते और बहुत मस्ती करते रहे। अगले दिन दोपहर में हम **न्यू जलपाईगुड़ी** पहुँचे और वहां से **गंगटोक** के लिए रवाना हुए। रास्ते में ऊँचे-ऊँचे पहाड़, कलकलाती नदियाँ और हरी-भरी घाटियाँ देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गई। गंगटोक पहुँचते ही मुझे ऐसा लगा जैसे मैं स्वर्ग में पहुँच गई हूँ। वहाँ का शुद्ध वातावरण, सुंदर घर और लोगों की आत्मीयता मन को मोह रही थी।

पहले दिन हमने शहर के आस-पास के दृश्य देखे और बारिश के बावजूद प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर आनंद लिया।

**दूसरे दिन** हम बर्फ से ढके पहाड़ों और **चांगू लेक** की ओर गए। पहली बार बर्फ देखने और उसमें खेलने का अनुभव अविस्मरणीय था। ठंडी हवाओं में खेलते हुए, फोटो और वीडियो बनाते हुए हम सभी मस्ती में मग्न थे। बर्फ में खेलना, हाथों में बर्फ पकड़ना और चारों ओर फैले सफेद परिदृश्य ने हमें स्वर्गीय अनुभव दिया।

गंगटोक एक स्वच्छ और व्यवस्थित शहर है। यहाँ के लोग मेहनती, अनुशासित और जिम्मेदार हैं। उनकी यह विशेषता मुझे बहुत प्रभावित करती है। हर व्यक्ति अपने कार्य में निपुण और जिम्मेदार था, जिससे शहर और भी सुंदर और शांतिपूर्ण प्रतीत हो रहा था।

यह शैक्षणिक भ्रमण न केवल मनोरंजनपूर्ण था, बल्कि जीवन और प्रकृति के बारे में बहुत कुछ सिखाने वाला भी था। मेरे लिए यह अनुभव हमेशा यादगार रहेगा।

अस्मिता लकड़ा
द्वितीय वर्ष 'अ'

## शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

हमलोगों का शैक्षणिक भ्रमण 11 मार्च से 16 मार्च तक गैंगटोक में हुआ। यह मेरा पहला भ्रमण था और मुझे बहुत आनंद आया। पहाड़ी इलाकों में घूमना और बर्फ में खेलना मेरा सपना था, जो इस यात्रा में पूरा हुआ।

गैंगटोक पहुँचकर शहर की रोशनी और चारों ओर फैली हरियाली देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गया। पहले दिन हमें झरने और स्थानीय दर्शनीय स्थल दिखाए गए। अगले दिन चांगू झील पर बर्फ में खेलते हुए हमने खूब मस्ती की और समूह में सहयोग और दोस्ती का अनुभव लिया।

इस यात्रा ने मुझे प्राकृतिक सुंदरता, अनुशासन और टीमवर्क का अनुभव कराया। यह भ्रमण मेरे लिए अविस्मरणीय और आनंदमय रहा।

मेहर प्रवीण
द्वितीय वर्ष 'अ'

## शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

हमलोगों का शैक्षणिक भ्रमण महाविद्यालय की ओर से आयोजित किया गया और यह अत्यंत सुंदर और ज्ञानवर्धक अनुभव रहा। हमें इस भ्रमण के दौरान कई नई चीजें सीखने और देखने का अवसर मिला। हमारा भ्रमण 11 मार्च 2026 को महाविद्यालय से प्रस्थान कर रांची और फिर सिलीगुड़ी के रास्ते गैंगटोक के लिए शुरू हुआ। रास्ते में पहाड़ों, नदियों और हरियाली का दृश्य मनमोहक था। हम शाम को गैंगटोक पहुँचे और होटल में भोजन के बाद विश्राम किया।

दूसरे दिन, 13 मार्च को हम समूहों में बाँटकर विभिन्न दर्शनीय स्थलों की यात्रा की, जैसे वाटरफॉल, गणेश टोक, रोपवे, फलावर गार्डन आदि। दोपहर में एमजी मार्केट की शॉपिंग की और स्थानीय संस्कृति का अनुभव लिया।

तीसरे दिन, 14 मार्च को हमने चांगू झील और बाबा हरभजन सिंह मंदिर का भ्रमण किया। मौसम खराब होने के कारण मंदिर तक नहीं पहुँच सके, लेकिन झील पर बर्फ में खेलना और मस्ती करना बेहद आनंददायक रहा।

अंत में, 15 मार्च को हम सिलीगुड़ी से ट्रेन द्वारा पटना लौटे। यात्रा लंबी थी, लेकिन सुरक्षित और सुखद अनुभव रहा। इस शैक्षणिक भ्रमण ने मुझे प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और अनुशासन का अनुभव कराया और यह मेरे लिए अविस्मरणीय रहा।

खुशबू खलखो
द्वितीय वर्ष 'अ'

## Educational Tour Experience

My educational tour was a truly enriching and unforgettable experience. It provided me with a great opportunity to learn beyond the boundaries of the classroom. During the tour, we visited several important places such as Gangtok, local sightseeing spots, and snow-covered areas. Seeing these places in real life helped me understand many concepts more clearly and deeply.

The journey was not only about learning but also contributed to personal growth. I spent quality time with my friends and teachers, which made the experience even more joyful and memorable. We shared ideas, discussed our observations, and helped each other learn new things. I also developed better communication skills and gained confidence by interacting with new people.

Moreover, the tour taught me discipline, teamwork, and responsibility. Managing time, following instructions, and taking care of our belongings were important aspects of the trip. Overall, the educational tour was a perfect combination of learning and fun. It inspired me to explore more and made me realize that learning can happen everywhere, not just inside the classroom.

**Conclusion:**

My educational tour was a perfect blend of knowledge, adventure, and fun. It created unforgettable memories and taught me many important life lessons. Such experiences are essential as they make learning more meaningful, enjoyable, and inspiring for trainees.

Binita Ekka
Second Year 'A'

## शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

द्वितीय वर्ष के दौरान हमारा शैक्षणिक भ्रमण 11/03/26 से 16/03/26 तक हुआ। 11 मार्च को हम शाम 3:30 बजे महाविद्यालय से रवाना हुए और रांची पहुँचकर बस द्वारा सिलीगुड़ी की ओर चले। ट्रेन का यह मेरा पहला अनुभव था, इसलिए शुरुआत में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन दोस्तों की मदद से सब आसानी से संभल गया।

सिलीगुड़ी पहुँचने के बाद हमने होटल में भोजन किया और फिर बस द्वारा गंगटोक की ओर प्रस्थान किया। रास्ते में पहाड़ों और नदियों का दृश्य अत्यंत सुंदर और आनंददायक था। गंगटोक पहुँचकर रात 8:30 बजे हम होटल में ठहरे और भोजन के बाद आराम किया। अगले दिन सुबह 7:30 बजे नाश्ता किया और हमारा भ्रमण आरंभ हुआ।

हम सभी को 6 के समूहों में बाँटा गया और विभिन्न दर्शनीय स्थलों की यात्रा की। पहाड़ों पर चढ़ाई थोड़ी कठिन थी, लेकिन दृश्य अत्यंत मनोरम और अनुभव यादगार थे। कुछ स्थानों पर रोपवे का भी आनंद लिया। हम होटल लौटकर बाजार में गए और वहाँ की गतिविधियों का पूरा आनंद लिया। दूसरे दिन हमें चंगू लेक की यात्रा के लिए भेजा गया। वहाँ हम सभी ने खूब मस्ती की और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। अगले दिन, 15/03/26 को हम सुबह 6:30 बजे बस में बैठकर पटना के लिए रवाना हुए और सिलीगुड़ी से ट्रेन द्वारा कोडरमा और बस के द्वारा कोडरमा से हजारीबाग पहुँचे।

इस शैक्षणिक भ्रमण ने मुझे न केवल प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव कराया, बल्कि अनुशासन, धैर्य, समय प्रबंधन और समूह में काम करने जैसी महत्वपूर्ण चीजें भी सिखाई। गंगटोक के लोग बहुत मिलनसार और मददगार थे, जिससे यात्रा और भी यादगार बन गई।

इस प्रकार यह शैक्षणिक भ्रमण मेरे लिए अत्यंत आनंददायक और शिक्षाप्रद अनुभव रहा।

अनिशा एक्का
द्वितीय वर्ष 'ए'

**शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव**

दिनांक 11-03-2027 को हमारे महाविद्यालय के द्वितीय वर्ष के सभी प्रशिक्षणार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए सिक्किम, गैंगटोक ले जाया गया। यह शैक्षणिक भ्रमण कुल पाँच दिनों का था, जिसमें हमलोगों ने दो दिन घूमने और चार दिन यात्रा करने में बिताए।

यात्रा की शुरुआत बहुत ही रोमांचक थी। मुझे ट्रेन का सफर पहली बार अनुभव करने का अवसर मिला, जो मेरे लिए नया और आनंददायक रहा। गंगटोक जाने का रास्ता बेहद खूबसूरत था। पहाड़ों में बर्फ देखकर ऐसा लगा जैसे स्वर्ग में आ गई हूँ। रास्ते में बहती नदियाँ, झरने और ऊँचे-ऊँचे पहाड़ देखने लायक थे। गैंगटोक पहुँचने पर शहर बत्तियों और सजावट से तारों जैसा जगमगा रहा था। वहाँ के स्थानीय स्थलों का भ्रमण भी बहुत रोचक रहा। हमने सात प्रमुख बागों का दौरा किया, जो अत्यंत मनोहारी और खूबसूरत थे।

दूसरे दिन हम चांगू लेक गए। वहाँ हमें बर्फ में खेलने और मस्ती करने का अवसर मिला, जो बहुत ही आनंददायक और यादगार अनुभव रहा। गैंगटोक के लोगों का व्यवहार बहुत ही अच्छा और सहयोगी था। वहाँ का वातावरण साफ-सुथरा और व्यवस्थित था, जिससे मैं बहुत प्रभावित हुई। यात्रा के अंतिम दिन, 15-03-2027 को, हम गैंगटोक से सिलिगुड़ी बस और ट्रेन द्वारा वापसी के लिए निकले। कुछ जगहों पर थोड़ी असुविधा हुई, लेकिन सभी ने धैर्यपूर्वक सफर पूरा किया। 16-03-2027 को हम हॉस्टल लौट आए और यह अनुभव मेरे लिए अत्यंत आनंददायक और शिक्षाप्रद रहा।

गैंगटोक एक मनमोहक स्थान है। वहाँ की प्राकृतिक सुंदरता, साफ-सुथरा वातावरण और लोगों का सौहार्दपूर्ण व्यवहार इसे अविस्मरणीय बनाते हैं।

अल्फा कुजूर
द्वितीय वर्ष 'ब'

**शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव**

कहते हैं कि सफर सिर्फ मंजिल नहीं, बल्कि हर कदम पर कुछ नया सीखने का अनुभव होता है। इस वर्ष हमारे महाविद्यालय पीटीईसी द्वारा द्वितीय वर्ष के सभी प्रशिक्षुओं के लिए **11 मार्च 2026 से 16 मार्च 2026 तक** शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। हम **हजारीबाग से सिक्किम की राजधानी गैंगटोक** गए।

हमारी यात्रा सुबह 2:30 बजे शुरू हुई। हम सभी उत्साह और खुशी के साथ बस से रांची पहुँचे और वहाँ ट्रेन का इंतजार किया। ट्रेन के आने पर हम अपनी सीट पर बैठकर यात्रा का आनंद लेने लगे। यह मेरा कॉलेज की ओर से पहला शैक्षणिक भ्रमण था और मैं इस अनुभव के लिए बेहद उत्साहित थी। **गैंगटोक पहुँचने पर** वहाँ की खूबसूरती देखकर ऐसा लगा मानो हम स्वर्ग में आ गए हों। ऊँचे-ऊँचे पहाड़, झरने, हरे-भरे जंगल और ठंडी हवा ने मन को बहुत प्रसन्न कर दिया। होटल पहुँचकर हमने भोजन किया और विश्राम किया।

अगले दिन हमने **लोकल साइटसीइंग** की, जिसमें गणेश टोक, बख्तांग वाटरफॉल, इंचे मठ, नमनम व्यूपॉइंट और फ्लावर एग्ज़िबिशन शामिल थे। मौसम और प्राकृतिक दृश्य इतने मनमोहक थे कि बारिश और ठंड का एहसास भी नहीं हुआ। शाम को हमने **एमजी मार्केट** में खरीदारी और स्थानीय व्यंजनों का आनंद लिया। नाथुला बॉर्डर प्रशासनिक कारणों से नहीं जा सके, फिर भी पूरा दिन बहुत आनंददायक रहा।

15 मार्च को हमें वापसी के लिए सिलीगुड़ी जाना पड़ा। वहाँ से ट्रेन द्वारा हम हजारीबाग लौटे। यह यात्रा कठिनाइयों के बावजूद अत्यंत यादगार और शिक्षाप्रद रही। इस भ्रमण ने मुझे प्रकृति का सम्मान करना, धैर्य रखना और दोस्तों के साथ सहयोग करना सिखाया।

मेघा कुजूर
द्वितीय वर्ष 'ब'

**शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव**

दिनांक 11/03/26 को हमारा शैक्षणिक भ्रमण प्रारंभ हुआ। हम शाम 3:30 बजे हॉस्टल से गीत गाते और नाचते हुए रांची पहुँचे। रांची से ट्रेन द्वारा सिलीगुड़ी की यात्रा सुखद और रोमांचक रही। सिलीगुड़ी से बस द्वारा गंगटोक के लिए प्रस्थान किया। जैसे-जैसे हम आगे बढ़े, ऊँचे पहाड़, बहती नदियाँ, जंगल और ठंडी हवा ने हमारे उत्साह को बढ़ा दिया।

गंगटोक प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर एक अद्भुत स्थल है। वहाँ का वातावरण बहुत ही शांत और मनमोहक था। पहाड़ों की बनावट, लोगों का व्यवहार और स्वच्छ वातावरण देखकर मन प्रसन्न हो गया।

पहले दिन हमने नज़दीकी दर्शनीय स्थलों की यात्रा की, जैसे गंगटोक, ताशी व्यू पॉइंट, बल्यांग फॉल्स, एनचे मठ और नमनम व्यू पॉइंट। इन जगहों की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक झलक और मनोरम दृश्य अत्यंत मनोरंजक थे। इसके बाद हम लाल बाजार गए, जहाँ हमने स्थानीय वस्तुएँ खरीदीं और वहाँ की जीवनशैली के बारे में जाना।

दूसरे दिन हम बर्फ से ढकी पहाड़ियों और नीले झील के दृश्य देखने के लिए चांगू झील गए। वहाँ की ठंडी हवा और बर्फ ने अद्भुत अनुभव कराया, जिससे प्रकृति के महत्व का एहसास हुआ। इस भ्रमण के दौरान हमने पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के बारे में भी सीखा।

गंगटोक के बाजार स्वच्छ और व्यवस्थित थे। हमने स्थानीय संस्कृति और जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा, रूमटेक मठ की यात्रा से हमें बौद्ध धर्म और वहां की शांति का अनुभव हुआ, जिसने हमारे मन को गहराई से प्रभावित किया।

इस शैक्षणिक भ्रमण ने न केवल हमें प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराया, बल्कि अनुशासन, टीमवर्क और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का महत्वपूर्ण अनुभव भी दिया।

अनामिका कुल्लू
द्वितीय वर्ष 'अ'

**शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव**

बर्फीली घाटियाँ, हरियाली से भरी वादियाँ, शांत वातावरण—मानो स्वर्ग की अनुभूति—सिक्किम और उसकी राजधानी गैंगटोक का मेरा शैक्षणिक भ्रमण एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। यह यात्रा मेरे जीवन के यादगार पलों में से एक बन गई।

हमने अपनी यात्रा की शुरुआत महाविद्यालय परिसर से की। सभी प्रशिक्षणार्थी अपने व्याख्याताओं के साथ बस में सवार होकर एक सुहावने सफर पर निकल पड़े। बस यात्रा के बाद हमें राँची रेलवे स्टेशन से न्यू जलपाईगुड़ी तक ट्रेन से यात्रा करने का अवसर मिला। वहाँ पहुँचने के बाद दोपहर का भोजन किया गया और फिर आगे की यात्रा बस द्वारा जारी रही।

बस यात्रा के दौरान घुमावदार सड़कों, हरे-भरे पेड़-पौधों, बहती नदियों, हल्की बारिश और बादलों से घिरे पहाड़ों का मनोहारी दृश्य देखने को मिला। अंततः हम अपने गंतव्य स्थान गैंगटोक पहुँच गए। अगले दो दिनों में हमने सिक्किम के प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया। वहाँ की संस्कृति, सभ्यता, स्वच्छ वातावरण, ठंडी हवाएँ और प्राकृतिक सौंदर्य अत्यंत आकर्षक थे। वहाँ के लोग परिश्रमी, सहयोगी और विनम्र थे। उनसे हमें स्वच्छता, नागरिक भावना, आत्मानुशासन और संयम जैसे गुणों को सीखने का अवसर मिला।

इस यात्रा ने मुझे प्रकृति से प्रेम करना, संस्कृति का सम्मान करना और पर्यावरण की रक्षा का महत्व सिखाया। पहाड़ों की गोद में बिताया गया हर क्षण सुखद और आनंददायक रहा। यह यात्रा मेरे जीवन की एक अनमोल और यादगार धरोहर बन गई।

अनुजा नेहा पन्ना
द्वितीय वर्ष 'ब'

### शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

मेरा शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव अत्यंत सुखद और यादगार रहा। पहली बार पहाड़ी क्षेत्र में जाने का अवसर पाकर मैं बहुत खुश थी। घुमावदार रास्तों पर सफर करते समय थोड़ी घबराहट हुई, लेकिन वहाँ की प्राकृतिक सुंदरता ने मन मोह लिया।

ऊँचे-ऊँचे पहाड़, सुंदर घर और रात में जगमगाती रोशनी देखकर ऐसा लगा मानो धरती पर तारे चमक रहे हों। बर्फ से ढके पहाड़ों को देखकर स्वर्ग जैसा अनुभव हुआ।

गैंगटोक का शांत वातावरण, स्वच्छता और प्राकृतिक सौंदर्य ने मुझे बहुत प्रभावित किया। यह भ्रमण मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

अलका कन्डुलना<br>
द्वितीय वर्ष 'अ'

### शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

कहते हैं कि **कक्षा की चार दीवारों से बाहर निकलकर ही असली ज्ञान मिलता है।** देखना, सुनना और अनुभव करना ही सच्ची शिक्षा है। शैक्षणिक भ्रमण ज्ञान को जीवंत बना देता है। हम सभी द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु **11 मार्च 2026** को हजारीबाग के गुड़वा सीतागढ़ से शैक्षणिक भ्रमण के लिए रात्री बस द्वारा अपनी यात्रा की शुरुआत की। सभी प्रशिक्षु इस यात्रा के लिए बहुत उत्साहित थे। हजारीबाग से रेलगाड़ी द्वारा न्यू जलपाईगुड़ी के लिए हमारी यात्रा शुरू हुई। यह मेरे लिए पहला शैक्षणिक रेल यात्रा अनुभव था। शुरुआत में मुझे थोड़ी डर और असुविधा महसूस हुई, क्योंकि मेरी सीट वॉशरूम के पास थी। शाम का भोजन करने के बाद मैंने सोने की कोशिश की, लेकिन बीच-बीच में जागती रही।

दूसरे दिन दोपहर में न्यू जलपाईगुड़ी पहुँचकर हमने भोजन किया और फिर बस से **गैंगटोक** के लिए प्रस्थान किया। जैसे-जैसे हम पहाड़ों की ओर बढ़ रहे थे, वहाँ का दृश्य देखकर मन आनंदित हो गया। झारखंड से दूर, प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के बीच ऐसा लग रहा था मानो हम स्वर्ग में आ गए हों। होटल पहुँचकर हमारे रूम में समायोजन किया गया। हालांकि कमरा थोड़ा छोटा और भीड़भाड़ वाला था, फिर भी हमने अपना स्थान व्यवस्थित किया। पहले दिन हमने नजदीकी स्थानों का भ्रमण किया, लेकिन मौसम खराब होने के कारण भ्रमण पूरा आनंददायक नहीं रह सका।

दूसरे दिन हम **चांगू लेक और नाथूला बॉर्डर** देखने निकले। मौसम की वजह से नाथूला बॉर्डर तक नहीं जा सके, लेकिन बर्फ में खेलना और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव लेना बहुत रोमांचक और आनंददायक रहा। इस प्रकार कुल मिलाकर यह शैक्षणिक भ्रमण **ज्ञान, अनुभव और नए दृष्टिकोण से भरपूर** रहा। वापस लौटते समय भी हमें यात्रा में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन हम सुरक्षित अपने महाविद्यालय पहुँचे। इस अनुभव ने मुझे सिखाया कि **शैक्षणिक भ्रमण जीवन के वास्तविक पाठ सिखाता है और अनुभवों से ही सच्चा ज्ञान प्राप्त होता है।**

अंजना सोरेंग<br>
द्वितीय वर्ष 'ब'

### Tour Experience

My educational tour from Ranchi to Gangtok in Sikkim was a journey filled with both pleasant and unpleasant experiences.

The onward journey from Ranchi to Gangtok was smooth and enjoyable. The travel arrangements made during this part of the trip were satisfactory, and the excitement of traveling to a new destination added to the overall joy. The scenic beauty along the way and the anticipation of exploring Gangtok made the journey truly memorable.

In Gangtok, the opportunities to experience the local culture, natural beauty, and learning activities were engaging and informative. These experiences provided valuable knowledge and broadened our understanding. The stay in Gangtok was well organized, although there were limited activities conducted during our time there.

However, the return journey was completely different and disappointing. The arrangements made by the agent were poor, and the overall management was unsatisfactory. The food and lodging facilities were of bad quality, and proper care was not taken. The rooms were not well maintained, and there was a lack of coordination and responsibility from the organizers.

This tour, though mixed in experience, taught us not only about the beauty of Sikkim but also highlighted the importance of proper planning and reliable management in travel arrangements.

Ishpriya Minj<br>
Second Year 'A'

आसमान छूती पहाड़ियों की सैर
माना जाता है कि भ्रमण से नए
जोश और उमंग आ जाते है।
हरी भरी प्रकृति से भरी दुनिया में,
अलग ही शांति और सुकून मिलता है।

उन्हीं शांति और सुकून को पाने निकल पड़े,
हम भी भ्रमण पर।
चल पड़े हम राँची से पहाड़ों की
दुनिया गंगटोक की ओर।

सफर शुरु हुआ हमारा पहले बस फिर ट्रेन से.
शुरु किया ट्रेन में हमने आना-जाना
दोस्तों से मिलना नाचना - गाना और मस्ती करता.
आगे के सफर में चल पड़े फिर बस से,
बस हमारी ऊंची-ऊंची पहाड़ियों के तलहटी में
साँप की भांति सड़को पर कभी दाँयीं,
तो कभी बायीं, कभी उतार तो कभी चढ़ाई,
इस तरह की हिचकोली खाती आगे बढ़ती गई।

हम सभी पहाड़ों की दुनिया में खोते चले गए,
मानो हम भुलभुलैया में अपना रास्ता भूल गए हों।
ऊपर ऊँची चोटियाँ, नीचे गहरी खाईयाँ
पहाडों के बीच बहती तिस्ता नदी
मानो हमें रास्ता बताती साथ-साथ चल रही है।

छाता गया अंधेरा जैसे वैसे प्रतीत होता गया,
कि आसमान नीचे धरती पर आ गए।
पहाड़ों पर बसे घरों की बत्तियाँ हमें
दिखने लगे, आसमान के जगमगाते तारों-सा।

वहाँ पहुंचकर एक रात्रि विश्राम के बाद
हम निकल पड़े दूसरे दिन के भ्रमण पर
वहाँ के लोकल व्यू पॉइंट्स हमें अपनी ओर
खीचे जा रहे थे।

कहीं ऊंचे झरने तो कहीं भगवान की शातमय मंदिर.
तो कहीं फूलों केबाग, तो कहीं मंदिर का घंटा,
ऊँची - ऊंची पहाड़ों के बीच के रास्ते,
और रास्तों के किनारे लगे रंग बिरंगे झण्डे
हमारे मन को स्वतः ही मोह ले रहे थे।
चंगु झील की पहाड़ियों के सफेद बर्फ के चादर,
हमें अपने अगोश में लेने के लिए तैयार थी।
बर्फ पर खेलना, उस पर मस्ती करना और वहाँ के ठंड वातावरण
को महसूस करना सच में ये पल हमें जिन्दगी भर याद रहेगा।

एमजी रोड के वे सभी चहल-पहल रास्ते,
लोगों के मुस्कान से पता नहीं कब वे अजनबी
हमारे जाने पहचाने बन गए।

दो दिन के भ्रमण के बाद हम हो गए उदास,
क्योंकि हमें आना था वापस।
भारी मन से हम वापसी के लिए निकल पड़े।
एक ही झटके में हम स्वर्ग से नरक में उतर चुके थे।
और अब हमें होने लगी परेशानियाँ इस यात्रा में
किस पर दया करूँ ? किसे सीट दूँ ? अपने को देखूँ, कि दोस्तों
को देखूँ ? किस-किस से लड़ूँ? हे भगवान! क्या दिन था वो,
पर संभाला हमने भी होश भी अपना
किया जमकर लडाई अपने अधिकार के लिए।

इन सबके बावजूद हमने नहीं छोड़ा मस्ती करना
और जमकर पूरे रास्ते तोता - मैना की तरह गाते रहे।
और कब अपने घोंसले पहुंचे पता ही नहीं चला।

तो यह भ्रमण न केवल घूमने के लिए था
ये तो हमें सीखा गया बहुत सी अच्छी बातें।
स्वर्ग जैसा स्वच्छ शहर सिखा गया हमें 'स्वच्छता का पाठ'
गोरे- नारे लोगों की मुस्कान और सद्गुण
सिखा दिया हमें "मानवता"।
बिना लगाम की मेला हमें सिखा गया "हर मुसीबत से लड़ना"।

अंशु टोप्पो
द्वितीय वर्ष 'अ'

### शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

हर वर्ष हमारे महाविद्यालय में प्रशिक्षुओं के लिए **शैक्षणिक भ्रमण** का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी हमारे द्वितीय वर्ष के सभी प्रशिक्षु इस यात्रा में शामिल हुए। भ्रमण का स्थल **गैंगटोक, सिक्किम** निर्धारित किया गया था। हमारी यात्रा **हजारीबाग से शुरू** हुई। सभी प्रशिक्षु समय पर रेलवे स्टेशन पहुँच गए। बस यात्रा बहुत ही सुखद और रोमांचक रही। इसके बाद हमने **रेल यात्रा** आरंभ की। यह अनुभव मेरे लिए बेहद मजेदार और यादगार रहा। अगले दिन हम न्यू जलपाईगुड़ी पहुँचे, जहाँ से बस द्वारा हम गैंगटोक के लिए रवाना हुए। निर्धारित समयानुसार हम अपने **गंतव्य स्थान** पर पहुँच गए।

अगले दिन हम लोकल स्थलों की सैर पर गए। गैंगटोक शहर का सौंदर्य, साफ-सुथरी सड़कों और मनोहारी नजारों ने मुझे अत्यंत प्रभावित किया। यहाँ का वातावरण शांत और सुहावना था, जो हमारे भ्रमण को और भी यादगार बना गया।

अंशु गुड़िया
द्वितीय वर्ष 'अ'

### शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

11-03-2026 को हमारे महाविद्यालय से शैक्षणिक भ्रमण के लिए हम सभी प्रशिक्षणार्थी अपने व्याख्याताओं के साथ सुबह 8:30 बजे हॉस्टल से बस द्वारा निकले। बस से राँची पहुँचे और वहाँ से ट्रेन द्वारा न्यू जलपाईगुड़ी (सिलीगुड़ी) के लिए रवाना हुए। अगले दिन हम सिलीगुड़ी पहुँचे, जहाँ भोजन के बाद बस से गैंगटोक के लिए प्रस्थान किया।

गैंगटोक पहुँचने पर हमारे लिए होटल की व्यवस्था की गई थी। होटल अच्छा था, लेकिन कमरे थोड़े छोटे और साफ-सफाई में कमी थी, जिससे कुछ असुविधा हुई। फिर भी हम सबने परिस्थिति के अनुसार अपने आप को समायोजित कर लिया। रात में हमें अगले दिन घूमने के स्थानों की जानकारी दी गई।

अगले दिन हम सभी समूह बनाकर विभिन्न स्थानों का भ्रमण करने निकले। घुमावदार सड़कों, पहाड़ों और प्राकृतिक दृश्यों ने हमें बहुत आकर्षित किया। दोपहर के भोजन के बाद हमें बाजार जाने का अवसर मिला, जहाँ से हमने कई नई-नई चीजें खरीदीं। वहाँ के लोगों का व्यवहार बहुत ही विनम्र और अच्छा था।

तीसरे दिन हमें बर्फ देखने और खेलने का अवसर मिला। पहाड़ों पर जमी बर्फ देखकर हम सभी बहुत उत्साहित हो गए। यद्यपि कुछ स्थानों पर जाने की अनुमति नहीं थी, फिर भी जहाँ अनुमति मिली वहाँ हमने खूब आनंद लिया और बर्फ में खेलकर बहुत खुशी महसूस की।

इसके बाद हम वापस गैंगटोक लौट आए और फिर सिलीगुड़ी के लिए रवाना हुए। वहाँ से ट्रेन द्वारा वापसी यात्रा शुरू हुई। हम पटना होते हुए कोडरमा पहुँचे और अंततः हजारीबाग वापस आ गए।

यह शैक्षणिक भ्रमण मेरे लिए बहुत ही रोमांचक और यादगार अनुभव रहा। इस यात्रा से मुझे नए स्थानों को देखने, नई चीजें सीखने और साथियों के साथ समय बिताने का अवसर मिला।

अनिमा टोप्पो
द्वितीय वर्ष

## शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

हर मंजिल की अपनी एक पहचान होती है और हर सफर की एक कहानी। **दिनांक 11/03/26, बुधवार** को हम द्वितीय वर्ष के सभी प्रशिक्षणार्थी अपने महाविद्यालय के साथ कुछ व्याख्याताओं के मार्गदर्शन में शैक्षणिक भ्रमण के लिए निकले। हमारी यात्रा की शुरुआत **दोपहर 2 बजे बस** से हुई। बस में सफर के दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों के चेहरे पर अलग-अलग प्रकार की खुशी और उत्सुकता झलक रही थी। किसी को पहाड़ी रेल का अनुभव लेने की जिज्ञासा थी, किसी को पहली बार पर्वतीय क्षेत्रों में जाने की खुशी, और सबमें नए अनुभवों को लेकर एक तरह का रोमांच था।

रास्ते में पहाड़ियों, घाटियों और प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेते हुए हमने नास्ते का भी आनंद लिया। पूरी यात्रा उत्साह और उमंग से भरी हुई थी। कुछ समय बाद हम **सिक्किम** पहुँच गए। वहाँ के शांत वातावरण और प्राकृतिक सुंदरता ने हमें मंत्रमुग्ध कर दिया।

हमने **लोकल साइटसीइंग** किया और विभिन्न दर्शनीय स्थलों का भरपूर आनंद लिया। बर्फ में खेलना, गोला बनाना, दौड़ना, नाचना और बर्फ के साथ मज़ेदार गतिविधियाँ करना इस यात्रा का सबसे रोमांचक हिस्सा था। सिक्किम के लोगों का व्यवहार और उनकी सामाजिकता मुझे बहुत प्रभावित कर गई। उन्होंने साफ-सफाई, ट्रैफिक नियमों का पालन और शांति बनाए रखने की आदतों से मुझे बहुत कुछ सिखाया।

अंत में, जब वापसी का समय आया, तो सभी का मन भारी था। उदासी के बावजूद भी हम अपनी यात्रा के अनुभवों और नए ज्ञान को साथ लेकर लौटे। रास्ते में कुछ छोटी-मोटी कठिनाइयाँ आईं, लेकिन उन्हें हँसकर और धैर्यपूर्वक सामना किया।

इस प्रकार, मेरा यह शैक्षणिक भ्रमण **अनुभवपूर्ण, मनोरंजक और यादगार** रहा। कठिनाइयाँ भी इस अनुभव को और भी विशेष और जीवनपर्यंत स्मरणीय बना गईं।

खुशबू खलखो
द्वितीय वर्ष 'ब'

## शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

मेरा यह पहला शैक्षणिक भ्रमण बेहद रोमांचक और यादगार अनुभव रहा। सबसे पहले मुझे इस बात की खुशी थी कि मैं अपने साथियों के साथ यात्रा पर जा रही हूँ। 11/03/26 को हमारी यात्रा की शुरुआत महाविद्यालय से हुई।

ट्रेन में सफर मेरे लिए थोड़ा कठिन रहा क्योंकि मुझे वॉशरूम के पास सीट मिली थी। बैठने और खाने में असुविधा महसूस हुई। इतने लंबे सफर का अनुभव मेरे लिए नया था, लेकिन मैंने सब कुछ धैर्यपूर्वक सहन किया।

न्यू जलपाईगुड़ी से गैंगटोक तक बस में यात्रा की गई। मुझे बस में सफर करना थोड़ा कठिन लगा, इसलिए मैं ज्यादातर सोती रही। जब हम गैंगटोक पहुँचे, तो वहाँ का दृश्य देखकर ऐसा लगा जैसे मैं स्वर्ग में पहुँच गई हूँ। प्राकृतिक सुंदरता अद्भुत थी। हालांकि होटल का कमरा और भोजन थोड़ा असुविधाजनक था, फिर भी वातावरण और नज़ारे इतने मनोहारी थे कि मुझे सब अच्छा लगा। गैंगटोक का मार्केट भी बहुत आकर्षक और रोचक था।

दो दिन घूमने के बाद हमें वापस हॉस्टल लौटना था। यह सोचकर मुझे थोड़ा उदास भी लगा। वापसी यात्रा में ट्रेन में भीड़ और असुविधा का सामना करना पड़ा, लेकिन मेरे साथियों ने मुझे हिम्मत दी कि जीवन में कठिनाइयाँ हर जगह आती हैं और उनका सामना करना सीखना चाहिए। अंततः मुझे ऊपर बर्थ मिली, जिससे मैं आराम से सो पाई और यात्रा आसान हो गई।

इस शैक्षणिक भ्रमण ने मुझे यह सिखाया कि चाहे जीवन में कितनी भी कठिनाइयाँ आएँ, हमें धैर्य और साहस के साथ उनका सामना करना चाहिए। यह अनुभव मेरे लिए न केवल आनंददायक बल्कि शिक्षाप्रद भी रहा।

अस्मिता सांडिल
द्वितीय वर्ष 'ब'

## शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव

मार्च के दूसरे सप्ताह में हम द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षणार्थी महाविद्यालय की ओर से **गंगटोक** गए। यह यात्रा मेरे जीवन की सबसे यादगार यात्राओं में से एक रही। भ्रमण का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि ज्ञान और अनुभव प्राप्त करना भी था।

हमने **बस और ट्रेन** से यात्रा की। रास्ते में ऊँचे पहाड़, हरे-भरे जंगल और कलकलाती नदियाँ देखकर मन प्रसन्न हो गया। गंगटोक पहुँचकर शांत वातावरण और प्राकृतिक सुंदरता ने हमें मंत्रमुग्ध कर दिया।

पहले दिन होटल में हमने विश्राम किया और अगले दिन गंगटोक के प्रमुख दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया। **चांगू लेक** और बर्फ से ढँके पहाड़ों में खेलना बेहद रोमांचक अनुभव रहा। हमने **MG मार्केट** में खरीदारी और स्थानीय संस्कृति का आनंद भी लिया।

इस शैक्षणिक भ्रमण ने न केवल आनंद दिया बल्कि अनुशासन, समय का महत्व और टीम भावना भी सिखाई। कठिनाइयों के बावजूद यह अनुभव मेरे जीवन का एक अमूल्य हिस्सा बन गया और मुझे प्रकृति के प्रति और जागरूक बनाया।

मेरी सुमन टोप्पो
द्वितीय वर्ष 'अ'

**शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव**

दिनांक 11-03-2026, बुधवार को हम सभी द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षणार्थी अपने महाविद्यालय से शैक्षणिक भ्रमण के लिए निकले। हम लगभग सुबह 3 बजे हॉस्टल से बस द्वारा राँची के लिए रवाना हुए। बस यात्रा के दौरान हमें हल्का नाश्ता मिला और हम नाच-गान करते हुए आनंदपूर्वक राँची रेलवे स्टेशन पहुँचे।

हमारी ट्रेन कामाख्या एक्सप्रेस थी, जिससे हम न्यू जलपाईगुड़ी (NJP) पहुँचे। रास्ते में बदलते मौसम, पहाड़, नदियाँ और हरियाली ने मन को प्रसन्न कर दिया। NJP पहुँचकर भोजन करने के बाद हम बस से गंगटोक के लिए रवाना हुए। गंगटोक पहुँचने पर हमें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा, जैसे होटल के कमरे साफ नहीं थे और सुविधाएँ भी ठीक नहीं थीं। फिर भी हमने परिस्थिति के अनुसार अपने आप को समायोजित किया।

अगले दिन हम लोकल साइटसीइंग के लिए गए। बारिश के बावजूद हमने विभिन्न स्थानों का आनंद लिया और बहुत सारी फोटो व वीडियो बनाई। शाम को हम MG मार्केट गए, जो बहुत ही सुंदर, साफ-सुथरा और व्यवस्थित था। वहाँ के लोगों का व्यवहार, अनुशासन और स्वच्छता देखकर मैं बहुत प्रभावित हुई।

दूसरे दिन हम चांगू लेक गए, जहाँ पहली बार बर्फ देखने और उसमें खेलने का अवसर मिला। यह अनुभव मेरे जीवन का सबसे यादगार पल बन गया। दोस्तों के साथ बर्फ में खेलना, नाचना और मस्ती करना बेहद आनंददायक रहा। हालांकि वापसी यात्रा में हमें भीड़ और असुविधाओं का सामना करना पड़ा, फिर भी हम सुरक्षित अपने स्थान पर पहुँच गए।

इस शैक्षणिक भ्रमण ने मुझे सिखाया कि जीवन में कठिनाइयाँ आती रहती हैं, लेकिन धैर्य और सहयोग से उन्हें पार किया जा सकता है। यह यात्रा मेरे लिए खट्टे-मीठे अनुभवों से भरी, लेकिन अत्यंत यादगार रही।

अलीशा बड़ा
द्वितीय वर्ष 'अ'

**शैक्षणिक भ्रमण का अनुभव**

हम अपने शैक्षणिक भ्रमण के लिए बड़े उत्साह और खुशी के साथ निकल पड़े। हमने सोचा था कि हमारा यह सफर बहुत ही मजेदार और रोमांचक होगा, और वास्तव में ऐसा ही हुआ। मेरे लिए यह ट्रेन का सफर नया था, क्योंकि पहले मैंने इतना लंबा ट्रेन का सफर कभी नहीं किया था। राँची से सिलीगुड़ी और फिर गैंगटोक तक की यह यात्रा मेरे लिए अत्यंत रोचक और अविस्मरणीय अनुभव रही।

सिलीगुड़ी से हमें झारखंडी गीतों और नृत्यों के साथ बस में यात्रा करने का अवसर मिला। हम सभी ने खूब गाया, नाचा और हँसी-खुशी अपने विश्राम स्थान तक पहुँचे। रात्री भोजन के बाद हमने आराम किया। गैंगटोक का दृश्य स्वर्ग से कम नहीं था। वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य अत्यंत सुहावना और मनमोहक था। साथ ही मुझे बर्फ में खेलने का अवसर भी मिला, जो मेरे लिए बहुत ही मजेदार और यादगार अनुभव रहा।

गैंगटोक के लोगों का व्यवहार, उनका सरल जीवन, दूसरों के प्रति आदर और सहयोग मुझे बहुत प्रभावित किया। वहाँ मैंने लोगों के प्रति अच्छा व्यवहार, स्वच्छता, यातायात नियमों का पालन और अनुशासन जैसे कई महत्वपूर्ण गुण सीखे। यह शैक्षणिक भ्रमण मेरे लिए ज्ञानवर्धक, आनंददायक और अविस्मरणीय अनुभव रहा।

छाया रानी धान
द्वितीय वर्ष 'ब'

Educational Tour Experience

My experience of the educational tour was wonderful and full of excitement, especially because it was my first time going on such a trip. On **11/03/26**, we, the second-year students, started our journey from **Hazaribag** to **Ranchi** by bus. Everyone was filled with energy and excitement. The journey was both enjoyable and tiring at times. We sang, danced, and played games on the bus, making the journey lively and fun.

The next day, around noon, we reached **Siliguri**, had our lunch, and then set out for our destination, **Gangtok**. The scenic beauty on the way was mesmerizing. I saw rivers, mountains, farms, and colorful houses—everything was so beautiful that I could hardly take my eyes off it. As we approached Gangtok, the temperature dropped, and we felt the cold air intensely.

Upon reaching our hotel, we received our rooms. Although we had high expectations about the hotel and rooms, some things were not as expected. Despite that, we managed to adjust and had a good night's sleep after dinner.

The next morning, after breakfast, we went for local sightseeing in groups. My group had four members. We visited **Chunget Monastery, waterfalls, flower gardens, temples, ropeway, and several viewpoints**. Each place was unique and beautiful. It was my first time seeing such sights, and I was both excited and amazed. The ropeway offered a mesmerizing view of Gangtok and made me feel as if I were flying over the city. Even when it rained lightly, it added to the enjoyment of the trip.

In the evening, we visited **MG Market**, a famous and well-organized market in Gangtok. The city was beautiful, clean, and well-decorated. I was very impressed by the discipline, hard work, and polite behavior of the people there, which inspired me greatly. Later, we had a small meeting at the hotel followed by dinner.

The next day, we were supposed to visit **Nathula Border**, but due to bad weather, we couldn't go there. Instead, we went **15 miles up to Changu Lake**, where we got permission to play in the snow. It was my first experience seeing and playing in snow, which was extremely enjoyable. The snowy landscapes and fun with friends made the experience unforgettable.

After lunch, we did some more shopping, and then we started our journey back. I didn't want to leave, but we had to return with heavy hearts. On our way back, we faced some challenges and crowds, but we managed everything carefully and safely. Finally, we reached our **hostel on 16/03/26 at noon**.

This educational tour was not only fun and memorable but also a great learning experience. It taught me patience, teamwork, and gave me a chance to explore new places and cultures.

Leema Tirkey
Second Year 'A'

## रचनात्मकता एवं औषधि का ज्ञान

ब्रह्माण्ड में मौजूद कोई भी सृष्टि या कण बेकार नहीं होता। प्रकृति में अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियाँ पाई जाती हैं, जिनके औषधीय गुण और लाभों के बारे में हमें सिस्टर गुलाब ने विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने घरेलू एवं प्राचीन उपचारों की जानकारी दी, जो आज धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं।

मेरा अनुभव यह रहा कि ये पारंपरिक उपचार आपातकालीन परिस्थितियों में बहुत ही उपयोगी, सस्ते और प्रभावी साधन सिद्ध हो सकते हैं। इसके साथ ही, हमें रचनात्मक कार्यों का भी ज्ञान दिया गया। रंग-बिरंगे कागजों से वस्तुओं को सजाने और उन्हें आकर्षक बनाने की कला सिखाई गई, जिससे हमारी रचनात्मक सोच और मानसिक विकास में वृद्धि होती है।

दैनिक जीवन में उपयोगी कई कौशल भी सिखाए गए, जैसे—खान-पान को स्वादिष्ट और लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए काँच के बर्तनों में आचार बनाकर संजोना। विभिन्न मौसमों के अनुसार आचार बनाने की विधि एवं उसे सुरक्षित रखने के उपाय भी बताए गए।इसके अतिरिक्त, घरेलू उपयोग की वस्तुएँ जैसे मोमबत्ती बनाना, शरीर की साफ-सफाई बनाए रखना तथा कीटाणुओं को दूर रखने के लिए फिनाइल बनाना भी सिखाया गया। पोषक तत्वों से भरपूर मशरूम की खेती के बारे में भी जानकारी दी गई, जो आज के समय में एक अच्छा रोजगार का साधन बन सकता है।

दीप्ति केरकेट्टा
प्रथम वर्ष 'अ'

## सेमिनार का अनुभव

तीन दिवसीय सेमिनार में भाग लेना मेरे लिए एक सुनहरा अवसर था। शुरू में मैं सोच रही थी कि पता नहीं मैं कुछ सीख पाऊँगी या नहीं, क्योंकि यह मेरा पहला सेमिनार था। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मेरा अनुभव बहुत ही अच्छा और यादगार बनता गया।

इन तीन दिनों में मैंने कई नई-नई चीजें सीखीं और समझीं। जैसे—आचार बनाना, मशरूम की खेती करना, फिनाइल और साबुन बनाना, मोमबत्ती तैयार करना तथा आर्ट एंड क्राफ्ट के अंतर्गत रंग-बिरंगे कागजों से विभिन्न प्रकार की सजावट की वस्तुएँ बनाना। सिस्टर अल्मा गुलाब ने हमें विभिन्न जड़ी-बूटियों के बारे में जानकारी दी और उनके उपयोग से भी अवगत कराया। यह ज्ञान हमारे दैनिक जीवन के लिए बहुत उपयोगी है। हमें समूहों में बाँटा गया था, जिससे हम सभी अपने-अपने समूह के साथ मिलकर काम कर सके। हमने मिल-जुलकर पपीता और मूली की बरी बनाई। इस दौरान हमने एक-दूसरे की मदद की और उस पल को यादगार बनाने का प्रयास किया। इस सेमिनार के दौरान मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे हम सभी किसी पिकनिक पर गए हों। हमने बहुत आनंद और मस्ती की, साथ ही कई उपयोगी बातें भी सीखीं।

अंत में, यह सेमिनार मेरे लिए बहुत ही अच्छा, ज्ञानवर्धक और खुशी देने वाला अनुभव रहा।

नूतन तोपनो
प्रथम वर्ष 'ब'

## सेमिनार का अनुभव

तीन दिवसीय सेमिनार में भाग लेना मेरे लिए एक सुनहरा अवसर था। इस सेमिनार के दौरान मुझे बहुत कुछ नया सीखने और समझने का मौका मिला। शुरुआत में हमने सफल और असफल व्यक्तियों की कहानियाँ पढ़ीं, जिससे हमें यह समझने में मदद मिली कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए संघर्ष, धैर्य और निरंतर प्रयास कितना आवश्यक है।

इन तीन दिनों में मैंने कई नई चीजों के बारे में जानकारी प्राप्त की, जैसे—अचार बनाना, मशरूम उगाना और अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुएँ तैयार करना। यह सब मेरे लिए नया अनुभव था और मुझे बहुत अच्छा लगा। इस सेमिनार में फादर संदीप के प्रवचन से भी मुझे बहुत प्रेरणा मिली। उन्होंने बताया कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए साहस, सहनशीलता और कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। उनके विचारों ने मुझे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने नेतृत्व (Leadership) के महत्व को भी समझाया। किसी भी संगठन या समूह की सफलता के लिए एक अच्छा नेतृत्व बहुत आवश्यक होता है। एक प्रभावी नेता सही निर्णय लेने में सक्षम होता है और अपने साथियों को लक्ष्य की ओर प्रेरित करता है। वह चुनौतियों और परिवर्तनों के समय संगठन को सही दिशा देता है और उसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रीति आइन्द  
प्रथम वर्ष 'ब'

## गृह विज्ञान

गृह विज्ञान एक ऐसा विषय है, जिसके अंतर्गत हम घर पर उपयोगी अनेक कार्य करना सीखते हैं। इसमें मशरूम उगाना, चिप्स बनाना, फिनाइल तैयार करना, अचार, कैचप, साबुन तथा मोमबत्ती बनाना जैसी कई उपयोगी चीजें शामिल हैं। इन सभी कार्यों को सीखना हमारे लिए बहुत ही रुचिकर और सौभाग्य की बात थी। दिनांक 11/03/26 से 13/03/26 तक सिस्टर अल्मा द्वारा हमें प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में हमें हमारे आसपास पाए जाने वाले पेड़-पौधों और जड़ी-बूटियों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, उनके उपयोग से घरेलू नुस्खों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के उपचार करना भी सिखाया गया, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है। अगले दिनों में हमें रसोई से संबंधित खाद्य पदार्थों का प्रशिक्षण दिया गया, जैसे—अचार, चटनी, बरी, सॉस और चिप्स बनाना। इन प्रयोगों के माध्यम से हम छोटी-छोटी बातों को बारीकी से समझ और सीख पाए। इससे हमें एक अच्छा अनुभव भी प्राप्त हुआ।

प्रशिक्षण का अंतिम दिन 13/03/26 था, जो सबसे अधिक मजेदार रहा। इस दिन हमने कागज के द्वारा विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएँ (आर्ट एंड क्राफ्ट) बनाईं, जिनका उपयोग हम त्योहारों में अपने घर को सजाने के लिए कर सकते हैं। इससे हमारे घर की सुंदरता भी बढ़ती है।
इन तीनों दिनों में हमने कई नई-नई चीजें सीखीं और एक सुंदर अनुभव प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण हमारे लिए बहुत ही उपयोगी, ज्ञानवर्धक और आनंददायक रहा।

पौलुस केरकेट्टा,  
प्रथम वर्ष 'ब'

## Born – Choice – Death

मैं फादर संदीप लकड़ा के प्रवचन के दिन का अपना अनुभव साझा करना चाहता हूँ। उनके विचारों ने मुझे गहराई से प्रभावित किया।

उन्होंने अपने प्रवचन की शुरुआत एक छोटी-सी कहानी से की। कहानी के माध्यम से उन्होंने बताया कि हर व्यक्ति का जन्म होता है और एक दिन उसकी मृत्यु भी निश्चित है। यदि हम इसे अंग्रेजी वर्णमाला (Alphabet) से समझें, तो "B" का अर्थ Birth (जन्म) और "D" का अर्थ Death (मृत्यु) होता है। इन दोनों के बीच में आने वाला अक्षर "C" है, जिसका अर्थ है Choice (चयन)।

इसका मतलब है कि जन्म और मृत्यु के बीच का पूरा जीवन हमारे द्वारा किए गए "चयन" पर निर्भर करता है। फादर संदीप लकड़ा ने Choice के महत्व को बहुत ही सरल और प्रभावी तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि हर व्यक्ति स्वयं तय करता है कि उसे क्या करना है और क्या बनना है। यदि व्यक्ति गलत चयन करता है, तो उसे जीवन भर पछताना पड़ सकता है, लेकिन यदि वह सही चयन करता है, तो वह एक अच्छा और गुणवान व्यक्ति बन सकता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि हमें अपने विचारों, व्यवहार और व्यक्तित्व को दूसरों के सामने कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने अच्छे और बुरे के बीच अंतर को स्पष्ट रूप से समझाया, ताकि हम भविष्य में एक अच्छे शिक्षक बन सकें।

अंततः, उनका यह प्रवचन मेरे लिए बहुत ही प्रेरणादायक और जीवन में सही निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हुआ।

पौलुस हाँसदा
प्रथम वर्ष 'अ'

## तीन दिवसीय सेमिनर का अनुभव

महाविद्यालय के द्वितीय वर्ष के
प्रशिक्षक चल पड़े पहाड़ों की दुनिया
तब हम भी पीछे रहने वालों में से नहीं
हम भी चल पड़े. कुछ अलग ही दुनिया में

वो दुनिया थी कलाकृति की
इन्हीं कलाकृति से
मिला बड़ा लाभदायक ज्ञान
मिला इसके द्वारा हमें अनुभव
पढ़ाई के साथ-साथ हम
सीख सकते है बहुत कुछ हम

देखा कभी जड़ी-बूटी तो कभी आचार
और देखा (सीखा) हमने मशरूम को उगाना
हाथों से बना डाला हमने कागज के फूल

जिनिता बागे
प्रथम वर्ष 'ब'

## तीन दिवसीय कार्यक्रम

सर्वप्रथम, मैं इस तीन दिवसीय गृह विज्ञान कार्यक्रम के लिए बड़े उत्साह के साथ इंतजार कर रहा था, क्योंकि मुझे विश्वास था कि इसमें मुझे अपने भविष्य के लिए बहुत कुछ नया सीखने को मिलेगा।

पहले दिन हमें औषधि एवं आयुर्वेदिक ज्ञान के बारे में सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। हमें बताया गया कि हमारी प्रकृति में ही छोटी-बड़ी बीमारियों का उपचार छिपा हुआ है। हमने जाना कि सर्दी, खांसी, लू, पेट दर्द जैसी समस्याओं का इलाज प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से किया जा सकता है। यह अनुभव मेरे लिए बहुत ही ज्ञानवर्धक रहा और मैंने निश्चय किया कि मैं इस जानकारी को अपने समाज तक अवश्य पहुँचाऊँगा।

दूसरे दिन हमने बड़े उत्साह और खुशी के साथ अपने-अपने कार्यों की तैयारी की। हमने आवश्यक सामग्री एकत्र की और समूह के सभी सदस्यों ने मिलकर लकड़ी इकट्ठा की तथा चूल्हा तैयार किया। हमारे समूह को टमाटर सॉस बनाने का कार्य मिला था। उस समय हमें ऐसा लग रहा था जैसे हम किसी पहाड़ी या नदी के किनारे वनभोज (पिकनिक) के लिए आए हों। हमने चूल्हा जलाकर पूरे मन से टमाटर सॉस बनाया। लगभग एक घंटे में सॉस तैयार हो गया। जब हमने उसे चखा, तो ऐसा लगा मानो किसी पेशेवर शेफ द्वारा बनाया गया हो।

हमारा टमाटर सॉस बहुत ही स्वादिष्ट बना था। हमने बड़े प्रेम से अपने मित्रों को भी चखने के लिए दिया, और सभी ने उसकी बहुत प्रशंसा की।

चिरंजीत बा:
प्रथम वर्ष 'ब'

## पाँच दिवसीय सेमिनार का अनुभव

जब हमारे सीनियर प्रशिक्षणार्थी शैक्षणिक भ्रमण के लिए गए थे, तब हमारे लिए पाँच दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

इस सेमिनार में तीन दिनों तक सिस्टर अल्मा गुलाब बाड़ा ने हमें जड़ी-बूटियों के बारे में जानकारी दी। हमें आचार बनाना, साबुन और फिनाइल बनाना, मशरूम उगाना, और कागज से सजावटी डिजाइन बनाने की विधियाँ भी सिखाई गईं। यह सभी कौशल हमारे जीवन के लिए बहुत लाभदायक हैं।

चौथे दिन फा. सैजू ने हमें नियम और कानून के बारे में बताया और FIR कैसे दर्ज की जाती है, यह सिखाया।

पाँचवे दिन फा. संदीप द्वारा विभिन्न खेल, गाने और गतिविधियाँ करवाई गईं। उन्होंने हमें नेतृत्व, व्यक्तिगत गुण और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के महत्व के बारे में समझाया।

कुल मिलाकर, यह पाँच दिवसीय सेमिनार बहुत ही मजेदार, ज्ञानवर्धक और हमारे जीवन के लिए अत्यंत लाभदायक रहा।

ब्यूटी केरकेट्टा
प्रथम वर्ष 'ब'

## जीवन का उद्देश्य

*"एक व्यक्ति ने कमी गलती नहीं की जब उसने कभी कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की यानी जब हम कुछ नया करते हैं, तभी गलतियों होना स्वाभाविक है"*

अल्बर्ट आइन्सटीन

जीवन में बहुत सी चुनौतियाँ आती हैं, जो हमें तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि हमें एक काबिल इंसान बनाने के लिए आती हैं। इसलिए हमें इन चुनौतियों से डरना नहीं चाहिए, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करते हुए अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। जीवन में किसी भी मंजिल को पाने के लिए स्पष्ट उद्देश्य होना बहुत आवश्यक है। केवल मेहनत करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी समझना जरूरी है कि हम किस उद्देश्य के लिए मेहनत कर रहे हैं। बिना लक्ष्य के की गई मेहनत अक्सर व्यर्थ हो जाती है।

हमें जीवन में आने वाली बाधाओं से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें एक अवसर के रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि वे हमें कुछ नया सिखाती हैं और हमें और मजबूत बनाती हैं। इसके साथ ही, हमें ऐसे लोगों के साथ अधिक समय बिताना चाहिए जो हमें आगे बढ़ने और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करें। सकारात्मक संगति हमारे जीवन को सही दिशा देती है।

जीवन में जो भी उपलब्धियाँ हम प्राप्त करते हैं—चाहे वे छोटी हों या बड़ी—हमें उनका उत्सव अवश्य मनाना चाहिए। इससे हमारे अंदर और अधिक मेहनत करने का उत्साह बढ़ता है और मंजिल तक पहुँचने का सफर और भी आनंददायक बन जाता है।

इरीना बरवा
प्रथम वर्ष

## सेमिनार का अनुभव

सीनियर प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान हमारे लिए एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान हमें जड़ी-बूटियाँ बनाने, मशरूम उगाने, मोमबत्ती, साबुन और फिनाइल तैयार करना सिखाया गया।

फा. सैजू ने हमें अपराध और कानून की जानकारी दी, वहीं फा. संदीप ने जीवन में सही चुनाव (Choice) और नेतृत्व (Leadership) का महत्व समझाया।

सिस्टर अल्मा ने यह सिखाया कि किसी भी कार्य को मेहनत और धैर्य से करना चाहिए। फा. संदीप ने यह भी बताया कि हँसते-मुस्कराते हुए कार्य करने से हमें और दूसरों को खुशी मिलती है।

यह सेमिनार मेरे लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा।

निधि खलखो
प्रथम वर्ष 'ब'

## Art and Craft & Home Science

मैं, निशी कुजूर, अपने महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय सेमिनार का अनुभव साझा कर रही हूँ। यह सेमिनार दिनांक 11/03/2026 से 13/03/2026 तक आयोजित किया गया था। जब द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु शैक्षणिक भ्रमण के लिए गंगटोक (सिक्किम) गए हुए थे, तब प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए Home Science और Art & Craft से संबंधित सेमिनार का आयोजन किया गया।

पहले दिन सिस्टर अल्मा गुलाब बाड़ा द्वारा हमें विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि किस प्रकार अलग-अलग बीमारियों के लिए कौन-कौन सी जड़ी-बूटियाँ उपयोगी होती हैं। इसी दिन हमें मशरूम उगाने की विधि, सफेद फिनाइल, मोमबत्ती और साबुन बनाना भी सिखाया गया। बीच-बीच में सिस्टर ने हमें एक्शन सॉन्ग भी कराया, जिससे वातावरण बहुत आनंददायक बन गया।

दूसरे दिन हमने आचार बनाना सीखा। हमें दस-दस विद्यार्थियों के समूह में बाँटा गया था। प्रत्येक समूह को अलग-अलग प्रकार का आचार बनाना था। हम सभी ने कॉलेज परिसर में पेड़ों के नीचे अपना-अपना चूल्हा तैयार किया। कोई ओल के चिप्स तल रहा था, कोई आचार का मसाला तैयार कर रहा था, तो कोई पपीता की चटनी बना रहा था। उस समय ऐसा लग रहा था मानो हम सभी पिकनिक (वनभोज) का आनंद ले रहे हों। सिस्टर ने हमें मशरूम, कटहल, ओल, लहसुन और नींबू का आचार बनाना सिखाया। साथ ही मूली और ओल की बरी, टमाटर सॉस और केचप बनाना भी सिखाया गया।

तीसरे दिन Art & Craft का सत्र आयोजित किया गया। इस दिन सिस्टर ने हमें A4 साइज पेपर से विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएँ बनाना सिखाया, जैसे—पेन स्टैंड, फूल, तारा आदि। यह सब सीखकर मुझे बहुत अच्छा लगा, क्योंकि यह मेरे लिए एक नया अनुभव था। इन वस्तुओं का उपयोग हम अपने घर को सजाने के लिए कर सकते हैं।

**निष्कर्ष:**

ये तीनों दिन मेरे लिए बहुत ही खास और यादगार रहे। इस दौरान मैंने जड़ी-बूटियों के उपयोग, विभिन्न प्रकार के आचार बनाना, मशरूम उगाना, तथा फिनाइल, मोमबत्ती और साबुन बनाना सीखा। साथ ही आर्ट एंड क्राफ्ट के माध्यम से सजावटी वस्तुएँ बनाना भी सीखा।

यह सेमिनार मेरे लिए अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और आनंददायक अनुभव रहा, जो मेरे भविष्य में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।

निशी कुजूर
प्रथम वर्ष 'ब'

## सेमिनार का अनुभव "जीवन एक चुनौती है"

पाँच दिवसीय सेमिनार कार्यक्रम मेरे लिए अत्यंत लाभदायक और प्रेरणादायक रहा। इस दौरान मुझे बहुत कुछ नया सीखने का अवसर मिला और मैं कई नई बातों से परिचित हुई।

इस सेमिनार में एक महत्वपूर्ण विचार बताया गया कि—"सफलता की कहानियाँ हमें केवल संदेश देती हैं, लेकिन असफलता की कहानियाँ हमें सफल होने के नए विचार और सीख प्रदान करती हैं।" पाँचवें दिन का सत्र मेरे लिए विशेष रूप से यादगार रहा, जिसमें फा. संदीप लकड़ा ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि जीवन और मृत्यु के बीच का समय ही जीवन है, और इसे सही तरीके से जीना हमारे हाथ में है। उन्होंने कहा कि जीवन में परिस्थितियाँ हमारे नियंत्रण में नहीं होतीं, लेकिन हमारे चुनाव (choices) हमारे हाथ में होते हैं। इसलिए सही निर्णय लेना बहुत आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित करना बहुत जरूरी है। लक्ष्य हमें दिशा देता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इसके साथ ही उन्होंने "खुशी" और "आनंद" के बीच अंतर समझाया—खुशी कुछ क्षणों के लिए होती है, जबकि आनंद लंबे समय तक बना रहता है।

उन्होंने जीवन में आने वाली बाधाओं और अवसरों दोनों को पहचानने और उनका सही उपयोग करने की प्रेरणा दी। साथ ही, मंच पर बोलते समय शरीर की मुद्रा, आत्मविश्वास, आवाज की स्पष्टता और प्रस्तुति शैली के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। यह पूरा सेमिनार मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक रहा। इससे मुझे जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिली। यह अनुभव मेरे जीवन में हमेशा यादगार रहेगा।

निरुपा टेटे<br>प्रथम वर्ष 'अ'

## सेमिनार का अनुभव

दिनांक 11/03/2026 को हमारे महाविद्यालय में तीन दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सबसे पहले सिस्टर अल्मा गुलाब का स्वागत गीतों के माध्यम से किया गया। इसके बाद उन्होंने अपना परिचय दिया और हमें जड़ी-बूटियों के बारे में जानकारी दी, जो हमारे आसपास आसानी से उपलब्ध होती हैं। इस सत्र से मैंने बहुत कुछ नया सीखा।

इसके बाद हमें मशरूम उगाने की विधि सिखाई गई। हमने जाना कि मशरूम कैसे उगाए जाते हैं और उनके क्या-क्या लाभ होते हैं। साथ ही हमें मोमबत्ती बनाना भी सिखाया गया।

दिनांक 12/03/2026 को हम सभी ने अपने-अपने समूह के साथ मिलकर गृह विज्ञान से संबंधित कार्य किए। हमने मिलकर अचार बनाने की प्रक्रिया में भाग लिया। महाविद्यालय परिसर में अचार की सुगंध और वातावरण बहुत ही आनंददायक लग रहा था। उस समय ऐसा महसूस हो रहा था जैसे हम सभी किसी वनभोज (पिकनिक) का आनंद ले रहे हों।

दिनांक 13/03/2026 को हमें आर्ट एंड क्राफ्ट सिखाया गया। हमने रंग-बिरंगे कागजों से वॉल हैंगिंग, फूल आदि सजावटी वस्तुएँ बनाईं। यह मेरे लिए एक नया और रोचक अनुभव था। अंत में हमें साबुन बनाना भी सिखाया गया। सेमिनार के दौरान बीच-बीच में गीत और एक्शन सॉन्ग भी कराए गए, जिससे माहौल बहुत ही आनंदमय बना रहा।

अंततः, यह सेमिनार मेरे लिए बहुत ही ज्ञानवर्धक, आनंददायक और यादगार अनुभव रहा।

मोनिका मिंज<br>प्रथम वर्ष 'ब'

## 5 दिवसीय सेमिनार का अनुभव

मौसम की सुन्दर बहारों संग हुआ हमारे कॉलेज प्रांगन में
सिस्टर अल्मा का आगमन,
संगीत के स्वरों संग हमने किया सिस्टर अल्मा का स्वागत

बाहर का नजारा था बड़ा ही रंगीन
हम सब पीछे रहने वालों में से नहीं
हम सब ने कागज की रंगीन दुनिया में किया प्रवेश
सबके हाथों में थी जादू,
सब ने दिखाई अपनी कलाकारी।

आज तक तो हमने खाया था,
अपनी प्यारी माँ के हाथों वाला आचार।
आज चल पड़े हम सब स्वंय के हाथों
का बना आचार का स्वाद लेने।
खट्टे- मीठे सब आचारों का लिया
हमने स्वाद और इससे मिला बहुत आनंद।

मोमबत्तियां देख मन में सवालों का
ढेर बनते हैं ये कैसे ?
आज हमने देखा आँखों के सामने बनते उसे
और देखा था साबुन और फिनाइल सुगंधित
आज देख भी लिया हमने बनते उसे।

बरसातों में उगते है मशरूम
पर आज तो बढ़ गयी है दुनिया बहुत आगे।
अब लोग उगाते है स्वंय मशरुम
तो हम चल पड़े उगाने को मशरूम।
बीमारी की समस्या न जाने कितने है पास हमारे
किन्तु प्रकृति ने दिया है हमें उसका समाधान
वो है हमारे आस-पास के पौधे।
इन्हीं जड़ी-बूटी की देखा हमने और सीखा उसका लाभ।

संविधान की प्रस्तावना तो बोलते है हम सब प्रतिदिन,
किन्तु न समझ पाये थे इनके अर्थ।
फादर शैजू के द्वारा मिला हमें
हमारे संविधान का सबसे महत्वपूर्ण ज्ञान।

बनने आये हैं हम शिक्षक
इस लक्ष्य को करना है कैसे पूर्ण
फादर संदीप के प्रेरणा भरे शब्दों से सीखा हमने।
बताया हमें खुशी और आनंद में अंतर
खुशी तो मिलती है छोटे-छोटे कार्यों से,
आनंद तो तब आएगा जब आगे के जीवन में
इन्हीं पलों को आगे करेंगे याद।

अनुभा टोप्पो
प्रथम वर्ष 'अ'

## तीन दिवसीय सेमिनार – गृह विज्ञान का अनुभव

तीन दिवसीय गृह विज्ञान प्रयोगशाला का मेरा अनुभव बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक रहा। पहले मुझे पता ही नहीं था कि हमें इतने सारे प्रयोग करने होंगे, क्योंकि मैंने पहले कभी इस प्रकार की गतिविधियाँ नहीं की थीं।

इस दौरान मैंने प्राथमिक जड़ी-बूटियों और पर्यावरण से संबंधित उपचार के बारे में जाना, जो हमारे आसपास प्राकृतिक रूप से उपलब्ध हैं। साथ ही हमने सफेद फिनाइल, साबुन, मोमबत्ती बनाना, मशरूम उगाना और पेपर से सजावटी वस्तुएँ बनाना भी सीखा।

इन सभी गतिविधियों से हमें यह भी समझ में आया कि इन चीजों को बनाकर हम घर पर छोटे उद्योग खोल सकते हैं और आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं।

तीन दिनों के इस अभ्यास में सहयोग की भावना का भी अनुभव हुआ। हम सभी ने मिलकर अपने कार्यों को सफलतापूर्वक और आनंद के साथ पूरा किया।

डिबर संडी पुर्ती
प्रथम वर्ष

## मशरूम आचार बनाने का अनुभव

जैसा कि हर वर्ष होता है, इस बार भी जब कॉलेज के द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षकगण शैक्षणिक भ्रमण पर गए हुए थे, तब हमारे लिए कुछ विशेष सेमिनारों का आयोजन किया गया। मैं अपना अनुभव **मशरूम आचार बनाने** के बारे में साझा करना चाहती हूँ।

मैं अक्सर घर में विभिन्न आचार बनाती रहती हूँ, लेकिन मशरूम का आचार बनाने का मौका यह पहली बार मिला। इसलिए मुझे इसे बनाने की जिज्ञासा और उत्साह बहुत बढ़ गया।

जब आचार बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई, तो सभी प्रशिक्षु अपनी-अपनी टीमों में व्यस्त हो गए। जैसे-जैसे आचार तेल में पक रहा था, उसकी खुशबू चारों ओर फैलने लगी, जिससे सभी बहुत उत्साहित और आकर्षित हो गए।

अंत में जब आचार तैयार हुआ और हमने उसे चखा, तो मुझे बहुत खुशी और संतोष मिला। इस अनुभव से मैंने जाना कि किसी कार्य को खुद से, अपनी इच्छा और मेहनत से करना न केवल ज्ञानवर्धक होता है, बल्कि मानसिक आनंद भी प्रदान करता है।

मोनिका लकड़ा
प्रथम वर्ष 'अ'

## Home Science कार्यक्रम का अनुभव

तीन दिवसीय कार्यक्रम मेरे लिए अत्यंत अच्छा और यादगार रहा। इस कार्यक्रम में नई-नई चीजें सीखने की मेरे मन में बहुत उत्सुकता और जिज्ञासा थी। सिस्टर अलमा का हमारे महाविद्यालय में आगमन हुआ। उनके स्वागत में तालियों और स्वागत गीत से पूरा महाविद्यालय गूंज उठा। पहले दिन सिस्टर अलमा ने हमें जड़ी-बूटियों के बारे में जानकारी दी, जिनके बारे में हमें पहले बहुत कम जानकारी थी। उन्होंने हमें फिनाइल बनाना और मशरूम उगाना भी सिखाया, जो मुझे बहुत अच्छा लगा और यह अनुभव मेरे लिए बहुत उपयोगी रहा।

दूसरे दिन सभी छात्र-छात्राएं अपने-अपने समूह में आचार बनाने के लिए उत्साहित थे। मैं भी नई चीजें सीखने के लिए बहुत उत्साहित थी। सुबह हम सभी बगीचे में इकट्ठा हुए और मिल-जुलकर अपने-अपने काम में लग गए। हमारे समूह को टमाटर केचप बनाना था, जिसे हमने अपने हाथों से तैयार किया। अन्य समूहों द्वारा बनाए जा रहे विभिन्न प्रकार के आचारों को देखना भी बहुत रोचक था। जैसे—बांस टमाटर, खट्टा-मीठा आचार, मिर्च आचार, ओल का अचार, हरी सब्जियों का अचार और मशरूम का अचार। इन सबको देखकर मन बहुत प्रसन्न हो रहा था।

समय का पता ही नहीं चला और दोपहर में हमने सुंदर-सुंदर फूलों के आकार की मोमबत्तियाँ भी बनाईं।

यह पूरा कार्यक्रम मेरे लिए ज्ञानवर्धक, रोचक और आनंददायक रहा। इस अनुभव से मैंने बहुत कुछ नया सीखा, जो भविष्य में मेरे लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

जया तिग्गा
प्रथम वर्ष 'अ'

## सेमिनार का अनुभव

दिनांक 11/03/2026 को हमारे महाविद्यालय में सिस्टर अल्मा द्वारा एक सेमिनार का आयोजन किया गया। यह मेरे लिए बहुत ही नया और ज्ञानवर्धक अनुभव था।

सेमिनार के पहले दिन हमें जड़ी-बूटियों के बारे में विस्तार से बताया गया। हमें उनका नाम, उपयोग और बीमारियों में उनकी उपयोगिता समझाई गई। पहले मुझे इन चीजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन इस अवसर ने मेरी जिज्ञासा पूरी की।

जैसे-जैसे दिन बीते, हमने अचार बनाने, पेपर क्राफ्ट से फूल और सजावटी डिजाइन बनाने की विधियाँ भी सीखीं।

दूसरे दिन हमें जीवन में सही चुनाव (Choice) और अपने सपनों को पाने के महत्व के बारे में बताया गया। हमें यह भी सिखाया गया कि शिक्षक होने के नाते बच्चों के साथ कैसे पेश आना चाहिए।

सेमिनार मेरे लिए बहुत ही प्रेरणादायक और यादगार अनुभव साबित हुआ।

नेम्हंती कच्छप

## पाँच दिवसीय प्रशिक्षण का अनुभव

मेरा यह पाँच दिवसीय प्रशिक्षण बहुत ही अच्छा और यादगार रहा। इन पाँच दिनों में मैंने बहुत कुछ नया सीखा और कई महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किए। शुरुआत में मुझे लगा कि यह सामान्य कार्यक्रम होगा, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मुझे हर दिन कुछ नया सीखने और समझने का अवसर मिला।

यह पाँच दिन कब समाप्त हो गए, इसका पता ही नहीं चला। इस प्रशिक्षण ने मुझे न केवल नई बातें सिखाईं, बल्कि मेरे अंदर छिपी क्षमताओं और प्रतिभा को भी पहचानने में मदद की। इससे मुझे यह विश्वास हुआ कि हम भी अपने जीवन में कुछ बड़ा कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण में मुझे सबसे अधिक फा. संदीप लकड़ा का सत्र बहुत अच्छा लगा। उनकी बातें बहुत प्रेरणादायक थीं। उन्होंने बताया कि जीवन जन्म से लेकर मृत्यु तक का एक सफर है और इस बीच हम जो भी करते हैं, वह हमारे अपने चुनाव (choices) पर निर्भर करता है।

उनकी इस बात ने मुझे गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि आज मैं जो भी निर्णय लेती हूँ, वही मेरे भविष्य को बनाता है। मैंने यह भी समझा कि शिक्षक बनना मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण और बड़ा चुनाव है।

इस प्रशिक्षण ने मुझे सही निर्णय लेने, अपने लक्ष्य को पहचानने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अब मैं यह संकल्प लेती हूँ कि मैं अपने हर चुनाव को सोच-समझकर करूँगी और अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने का प्रयास करूँगी।

नैन्सी मिंज
प्रथम वर्ष 'अ'

## तीन दिवसीय सेमिनार का अनुभव

हमारे महाविद्यालय में तीन दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका संचालन सिस्टर आलमा बड़ा द्वारा किया गया। इस सेमिनार में हमें जड़ी-बूटियों से दवाइयाँ बनाना, मशरूम उगाना, फिनाइल, मोमबत्ती, साबुन तथा आचार बनाने की विभिन्न विधियाँ सिखाई गई।
पहले दिन हमें फिनाइल और मोमबत्ती बनाना सिखाया गया। मैंने इन प्रक्रियाओं को ध्यानपूर्वक देखा और समझा कि इन्हें किस प्रकार तैयार किया जाता है। हर गतिविधि मेरे लिए नई और रोचक थी। बीच-बीच में एक्शन सॉन्ग भी कराए गए, जिससे सीखने का माहौल और भी आनंददायक हो गया।

दूसरे दिन आर्ट एवं क्राफ्ट की गतिविधियाँ कराई गई। इसमें हमें विभिन्न प्रकार के फूल बनाना और काटना सिखाया गया। मैंने इसमें पूरे मन और उत्साह के साथ भाग लिया और बहुत कुछ सीखा। यह अनुभव मुझे बहुत अच्छा लगा।

तीसरे दिन हमें आचार बनाना सिखाया गया। इसके लिए हम सभी अपने-अपने समूहों में विभाजित हो गए, जिनमें प्रत्येक समूह में दस सदस्य थे। सभी ने मिल-जुलकर कार्य किया, जिससे काम करना आसान और आनंददायक हो गया। विभिन्न प्रकार के आचार बनाते हुए हमें बहुत खुशी मिली। लंच के बाद हम हॉल में गए, जहाँ हमें मशरूम उगाने की प्रक्रिया सिखाई गई। यह मेरे लिए एक नया और प्रेरणादायक अनुभव था।यह सेमिनार मेरे लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। इन तीन दिनों की यादें मेरे मन में हमेशा के लिए बस गई हैं।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस कार्यक्रम का समापन हुआ। यह तीन दिवसीय सेमिनार सीख, खुशी और अनुभव का अद्भुत संगम था, जो मेरे जीवन में सदैव यादगार रहेगा।

बेरोनिका हेंब्रोम
प्रथम वर्ष 'अ'

## रक्तदान जागरूकता सेमिनार-सह-रक्तदान शिविर

दिनांक 28 मार्च 2026 को प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में रक्तदान जागरूकता सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अगुवाई महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फादर पी. जे. जेम्स द्वारा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना तथा समाज सेवा के इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए प्रेरित करना था।

इस सेमिनार के मुख्य वक्ता श्री निर्मल जैन थे, जिन्होंने अपने प्रभावशाली वक्तव्य के माध्यम से रक्तदान के महत्व को सरल और स्पष्ट रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने सुरक्षित रक्तदान की प्रक्रिया, इसके लाभ, तथा इससे जुड़ी आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है और इससे शरीर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हो सकता है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों के मन में रक्तदान को लेकर जो भी डर, संकोच, भ्रांतियाँ और अफवाहें थीं, उन्हें श्री जैन ने बहुत ही धैर्यपूर्वक उनके प्रश्नों का उत्तर देकर दूर किया। उनके द्वारा दी गई जानकारी से सभी प्रतिभागियों का आत्मविश्वास बढ़ा और रक्तदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हुई।

अपने संबोधन में उन्होंने यह भी कहा कि मानव जीवन अत्यंत अनमोल है और रक्तदान के माध्यम से हम किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से सदर अस्पताल में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों की स्थिति का उल्लेख किया, जिन्हें नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता होती है। ऐसे बच्चों की सहायता के लिए समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को आगे आकर रक्तदान करना चाहिए।

इस जागरूकता सेमिनार का प्रभाव अत्यंत सकारात्मक रहा। विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों में रक्तदान के प्रति उत्साह और जागरूकता स्पष्ट रूप से देखने को मिली। इसी के परिणामस्वरूप 30 मार्च 2026 को महाविद्यालय में रक्तदान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 63 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

अंततः यह कहा जा सकता है कि यह सेमिनार न केवल ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा, बल्कि इसने मानवता, सहयोग और सेवा की भावना को भी प्रबल किया। इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की आवश्यकता बनी रहेगी।

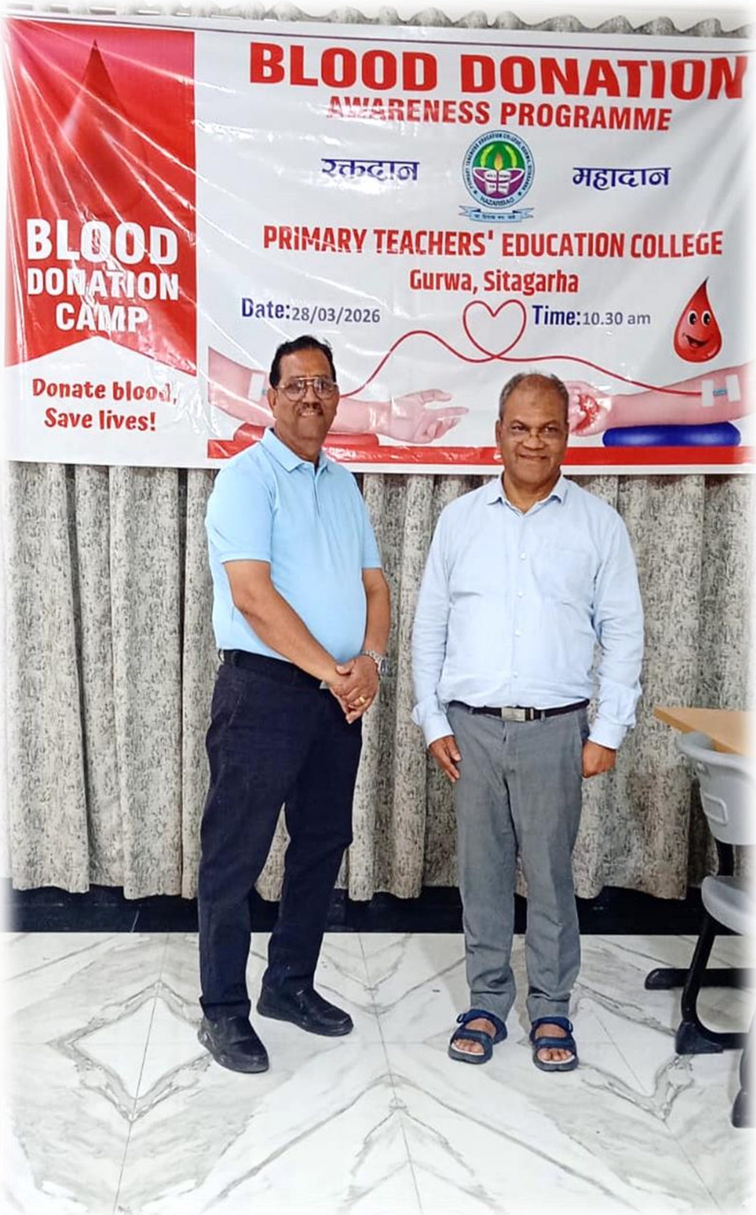
BLOOD DONATION
AWARENESS PROGRAMME
रक्तदान
महादान
PRIMARY TEACHERS' EDUCATION COLLEGE
Gurwa, Sitagarha
Date:28/03/2026
Time:10.30 am
BLOOD DONATION CAMP
Donate blood, Save lives!

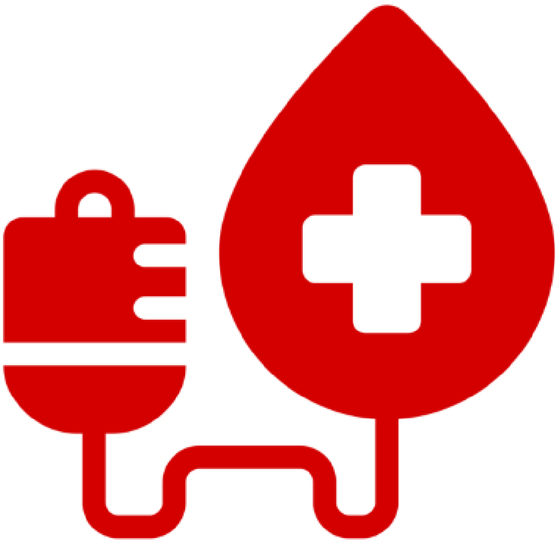

# BLOOD DONORS

IMARY TEACHERS' EDUCATION COLLEGE
Gurwa, Sitagarha
e:30/03/2026
Time: 10.30 am-3.30 pm

एक छोटा
सा दान
किसी के
जीवन
PRIMARY TEACHERS
Gurwa,
Date:30/03/2026

सा दान
किसी के
जीवन
की बड़ी
मुस्कान

Gurwa, Sitagarha
Time: 10.30 am-3.30 pm

Time: 10.30 am-3.30 pm

श्री सिप्रियन सुरीन

## कोईल-कारो गोली कांड – 2001

इसे तपकरा गोली कांड के नाम से भी जाना जाता है। तपकरा राँची से 62 कि॰मी॰, खूंटी जिले में है। यह कांड 2 फरवरी 2001 को घटित हुई थी जिसमें 8 लोग शहीद हुए एवं तीन दर्जन लोग बुरी तरह से घायल हुए थे।

इस कांड का कारण कोईल-कारो पनबिजली परियोजना था। इस परियोजना के तहत दक्षिणी कोईल एवं कारो नदी में दो बड़े बांध बनाकर बिजली उत्पादन करना था। इसके लिए 55 हजार हेक्टर भूमि कि आवश्यकता थी। दो सौ से अधिक गाँव डूब जाते एवं दो लाख से अधिक लोग विस्थापित हो जाते। इसका स्थानीय आदिवासियों की जीविका एवं संस्कृति पर बहुत ही बुरा प्रभाव होता। अतः स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया, जिसकी परिनिति इस गोली कांड में हुई।

इस परियोजना की योजना 1958 में बननी शुरू हुई एवं 1973 में इसे भारत सरकार ने स्वीकृति प्रदान की। इसकी खबर मिलते ही स्थानीय लोगों ने **"कोईल-कारो जन संगठन"** नामक संगठन बनाकर इसका विरोध शांतिपूर्ण ढंग से करना शुरू किया।

2000 में झारखंड अलग राज्य बनने के तुरंत बाद बाबूलाल मारंडी सरकार ने इस परियोजना को शुरू करने की घोषणा की। यह खबर उस क्षेत्र में आग की तरह फैल गयी। कोईल-कारो जन संगठन सक्रिय हो गई। गाँव-गाँव में बैरीकेड एवं झंडे लगाकर इसका विरोध होने लगा।

इसी दौरान तपकरा ओ॰पी॰ एवं रनिया थाना की पुलिस लोहजिया गाँव गस्ती पर गई थी। लौटते वक्त पुलिस ने डेरांग गाँव में लगे बैरिकेड एवं झंडे को तोड़कर फेंक दिया। इसका विरोध वहाँ उपस्थित एक पूर्व सैनिक अमृत गुड़िया ने किया। इस पर पुलिस ने उसे बेरहमी से पीटा। इसकी खबर मिलते ही संगठन ने 2 फरवरी 2001 को तपकरा थाने का घेराव करने का निर्णय लिया। उस दिन लगभग 5 हजार ग्रामीण तपकरा थाने के सामने जमा हो माँग की कि मार-पीट में संलिप्त पुलिस कर्मियों को बर्खास्त किया जाय एवं तोड़े गए बैरिकेड और झंडे को उसी जगह पुनः स्थापित किया जाय।

पुलिस एवं प्रतिनिधियों के बीच बात-चीत के दौरान किसी बात को लेकर ग्रामीण भड़क गए और जबाबी कार्रवाई में यह कांड हो गया। इसमें 150 राउंड गोलियां पुलिस के द्वारा अंधाधुन चलाई गई, जिसमें 8 की मृत्यु एवं लगभग तीन दर्जन लोग बुरी तरह घायल हो गए।

अंततः जन आक्रोश एवं जन भावना को देखते हुए इस परियोजना को स्थगित कर दिया गया। इससे यही सीख मिलती है कि विकास के साथ-साथ स्थानीय लोगों के अधिकारों और उनकी सहमति का सम्मान करना बहुत आवश्यक है।